सतना

08 जून2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

घरेलू एलपीजी सिलेंडर 29 महंगा, 3 महीने में 89 दाम बढ़े

● दिल्ली में 14.2किलोग्राम का सिलेंडर 942 में मिलेगा

कंपनियों को प्रति सिलेंडर 703 नुकसान का दावा... न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि सरकारी तेल कंपनियों को हर घरेलू सिलेंडर पर करीब 703 का नुकसान हो रहा था। दाम बढ़ने से बावजूद सिर्फ आंशिक भरपाई होगी।

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू एलपीजी सिलेंडर 29 रुपए महंगा हो गया है। नई दरें आज रात 12 बजे से लागू हो गई हैं। दिल्ली में अब 14.2 किलोग्राम वाला गैस सिलेंडर 913 से बढ़कर 942 का मिलेगा। तीन महीने में दूसरी बार एलपीजी की कीमत बढ़ाई गई है। इससे पहले 7 मार्च को एलपीजी सिलेंडर के दाम 60 बढ़ाए गए थे। इस तरह 3 महीने के अंदर घरेलू सिलेंडर 89 रुपए महंगा हो गया है। न्यूज एजेंसी के सूत्रों के अनुसार, तेल कंपनियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ी ऊर्जा लागत और घरेलू बिक्री पर नुकसान के कारण कीमतें बढ़ानी पड़ी हैं। 2026 से पहले सरकार ने 8 अप्रैल 2025 को घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में 50 का इजाफा किया था। 1 मार्च 2026 को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 31 तक बढ़ाए गए थे। 5 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भी 11 का इजाफा किया गया था, जिससे इसकी कीमत 821.50 हो गई।

एलपीजीसे पहले पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दाम भी बढ़े: पिछले कुछ हफ्तों में पेट्रोल, डीजल और CNG के दाम भी बढ़े हैं। मई में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कुल मिलाकर 7.50 प्रति लीटर बढ़ चुकी हैं, जबकि छ्हत्न करीब 6 प्रति किलो महंगी हुई है। कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 11 प्रति लीटर और डीजल पर 33.6 प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। इसके बावजूद कंपनियों का दावा है कि पेट्रोल-डीजल अभी भी लागत से कम कीमत पर बेचे जा रहे हैं। सरकार का कहना है कि वैश्विक कीमतों में हुई पूरी बढ़ोतरी का बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला गया है। कच्चे तेल के महंगे होने का कुछ बोझ सरकारी तेल कंपनियां खुद उठा रही हैं।

एलपीजी कीमतों में बढ़ोतरी पर खरगे का केंद्र पर हमला

बोले- बढ़ती महंगाई ने बिगाड़ा आम जनता का बजट

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों ने आम लोगों, खासकर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की आर्थिक परेशानियों को बढ़ा दिया है। महंगाई के कारण घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है और आम उपभोक्ताओं की रसोई का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है।

रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दावे का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संसद में पश्चिम एशिया में संघर्ष जैसी परिस्थितियों के बावजूद 41 देशों से ईंधन आपूर्ति के विविधीकरण की बात कही थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि यदि सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति के इतने व्यापक विकल्प विकसित कर लिए हैं, तो ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी एलपीजी की उपलब्धता और उपभोग को लेकर समस्याएं क्यों बनी हुई हैं। खरगे ने दावा किया कि पिछले चार महीनों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 89 रुपये की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के बीच रसोई गैस की कीमतों में लगातार इजाफा परिवारों के मासिक खर्च को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है और इसका सबसे अधिक असर निम्न एवं मध्यम आय वर्ग पर पड़ रहा है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उल्लेख करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में योजना के 5.56 करोड़ लाभार्थी परिवारों ने केवल एक या उससे कम बार गैस सिलेंडर रिफिल कराया। उन्होंने दावा किया कि इनमें से लगभग 3.30 करोड़ परिवार ऐसे हैं जिन्होंने एक भी सिलेंडर रिफिल नहीं कराया। उनके अनुसार यह स्थिति दर्शाती है कि बढ़ती कीमतों के कारण बड़ी संख्या में गरीब परिवार एलपीजी का नियमित उपयोग करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं।

: ब्रीफ बॉक्स :

दिल्ली में प्रदर्शन के बाद अपने घर पहुंचे अभिजीत दीपके

बोले- सरकार ने ट्रेलर देखा कॉकरोच क्या कर सकते हैं लेकिन बात खत्म नहीं हुई

छत्रपति संभाजीनगर, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने रविवार को कहा कि परीक्षाओं में गड़बड़ियों को लेकर उनका आंदोलन तब तक नहीं रुकेगा जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं दे देते। दीपके ने बताया कि शनिवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुआ प्रदर्शन सफल रहा। इसमें करीब 7,000 लोगों ने हिस्सा लिया। अब यह आंदोलन पूरे देश में फैलाया जाएगा। दीपके ने ये भी कहा कि हम आवाज नहीं उठाएंगे तो परिवर्तन नहीं हो सकता, लेकिन बात यहीं खत्म नहीं होती। धर्मेंद्र प्रधान ने पूरी पीढ़ी के साथ अन्याय किया है। वे अगर इस्तीफा नहीं देते, तो 13 जून को फिर प्रदर्शन होगा।

इसके बाद CJP फाउंडर रविवार सुबह महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के वालुज इलाके में अपने घर पहुंचे, जहां उनके परिवार के सदस्यों ने उनका स्वागत किया।

टीएमसी विधायक मदन मित्रा की कार पर हमला

कटमनी वापस मांग रहे लोगों ने अंडे फेंके; दावा- विधायक कार में नहीं थे

कोलकाता,एजेंसी। कोलकाता के कमरहाटी में शनिवार रात टीएमसी विधायक मदन मित्रा की कार पर लोगों ने हमला कर दिया। अरियादाहा इलाके में यह घटना उस समय हुई, जब विधायक दौरा करने गए थे। स्थानीय रहवासियों ने चोर-चोर के नारे लगाते हुए विधायक की कार पर अंडे फेंके। ये लोग कटमनी के रूप में दिए गए पैसे वापस करने की मांग कर रहे थे। घटना का एक वीडियो वायरल है। इधर, हालांकि टीएमसी नेता ने बाद में दावा किया कि हमले के वक्त वे गाड़ी में नहीं थे। मदन मित्रा ने आरोप लगाया कि उनके ड्राइवर पर हमला किया गया।

पार्षद के घर पर थी ऑटो रिक्शा ड्राइवर्स की मीटिंग: मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कमारहाटी के वार्ड नंबर 14 के एक पार्षद के घर के बाहर एक मीटिंग चल रही थी। जहां ऑटो-रिक्शा और ई-रिक्शा चलाने वाले कई लोग इकट्ठा हुए थे। इन लोगों की मांग थी कि सालों से कटमनी के रूप में दिया गया पैसा वापस किया जाए।

चाइनीज कैमरों से भारत पर नजर रखेगा नेपाल

चीन के इंटरनेट नेटवर्क का भी करेगा इस्तेमाल

पिथौरागढ़,एजेंसी। उत्तराखंड से लगी भारत-नेपाल सीमा पर नेपाल ने चीन निर्मित थर्मल कैमरे लगाने शुरू कर दिए हैं। दावा किया जा रहा है कि ये कैमरे भारतीय सीमा के भीतर करीब 10 किलोमीटर तक की गतिविधियों को रिकॉर्ड करने में सक्षम हैं। इतना ही नहीं, इन कैमरों के संचालन के लिए चीन के इंटरनेट नेटवर्क का इस्तेमाल होने की बात भी सामने आई है।

ऐसे में भारतीय सीमा क्षेत्र की संवेदनशील सूचनाएं चीन तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। उत्तराखंड में भारत और नेपाल के बीच करीब 275 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है।

बांग्लादेश लौटने के लिए खुद सामने आ रहे अवैध प्रवासी

● बंगाल में रोज 200-300 लोगों का वेरिफिकेशन ● बॉर्डर पर दोनों देशों में एक जैसा तनाव

अधिकारी बोले- पहली बार अवैध प्रवासियों को ढूंढना नहीं पड़ रहा... BSF के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि पहली बार ऐसी स्थिति बनी है जब अवैध प्रवासियों को तलाशने की जरूरत नहीं पड़ रही। लोग खुद वेरिफिकेशन कराने और अपनी पहचान दर्ज कराने के लिए चेकपोस्ट पर पहुंच रहे हैं।

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले की हकीमपुर चेकपोस्ट पर इन दिनों अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की भीड़ जुट रही है। ये लोग खुद अपनी पहचान बताकर बांग्लादेश लौटने की इच्छा जता रहे हैं।

हालांकि, सीमा सुरक्षा बल (BSF) उन्हें सीधे सीमा पार भेजने के बजाय बायोमीट्रिक और अन्य पहचान पत्र लेकर बंगाल में बनाए गए होल्डिंग सेंटरों में भेज रही है। हकीमपुर बॉर्डर पर वेरिफिकेशन सेंटर पर रोजाना करीब 200 से 300 लोग वेरिफिकेशन के लिए पहुंच रहे हैं।

इनमें से कई लोग सालों पहले अवैध रूप से भारत आए थे और अब बदलते हालात के बीच अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। कई लोगों के पास भारतीय दस्तावेज हैं, लेकिन बांग्लादेशी पहचान संबंधी कागजात नहीं हैं। अधिकारी के अनुसार, सुबह से शाम तक लोगों की लंबी कतारें लगी रहती हैं और वेरिफिकेशन में काफी समय लग रहा है। स्थानीय संगठन 'भूखा मानुसेर अधिकार अभियान' के अध्यक्ष मोहर मंडल के अनुसार, वेरिफिकेशन कराने पहुंच रहे अधिकांश लोग बांग्लादेश के छह जिलों से हैं और अवैध रूप से भारत आए थे।

प्रवासी ने कहा- भारत में रह नहीं पा रहे, बांग्लादेश जा नहीं सकते: मुंबई में रह रहे मोहम्मद अख्तर शेख ने बताया कि वह 22 साल पहले बांग्लादेश से भारत आए थे। उनके पास भारतीय आधार कार्ड है, लेकिन बांग्लादेश का कोई दस्तावेज नहीं है। उन्हें डर है कि अब वे न बच्चों के साथ रह पाएंगे और न ही बांग्लादेश जा सकेंगे।'

इसी तरह, 20 साल पहले मुर्शिदाबाद के जलंगी बॉर्डर के रास्ते भारत आए इस्लाम सरदार बात करते-करते रोने लगे। वह कहते हैं, 'मैं बांग्लादेश के बारीसाल जिले से आया था। दिल्ली की झुग्गियों में पूरी जिंदगी गुजार दी। सबसे बड़ा डर यही है कि दोनों देशों में से किसी ने हमें स्वीकार नहीं किया तो क्या होगा।'

जितने वेरिफिकेशन हुए, होल्डिंग सेंटर में उससे कम ही गए: गृह मंत्रालय के निर्देश पर बंगाल में 11 होल्डिंग सेंटर बनाए गए हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित उत्तर 24 परगना जिले के तेतुलिया में एक होटल को होल्डिंग सेंटर बनाया गया है। राज्य सरकार के मुताबिक, इन 11 सेंटरों में फिलहाल एक हजार से कम लोग हैं।

भारत की 'रॉकेट वुमन' का वैश्विक सम्मान

अमेरिकी म्यूजियम में सजी मंगलयान मिशन वाली ऐतिहासिक साड़ी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत की 'रॉकेट वुमन' नंदिनी हरिनाथ की मंगलयान मिशन वाली साड़ी अमेरिकी म्यूजियम की शोभा बढ़ा रही है। वाशिंगटन डीसी. स्थित स्मिथसोनियन नेशनल एयर एंड स्पेस म्यूजियम में इस साड़ी को प्रदर्शित किया गया है। भारत के पहले मंगल मिशन मार्स आर्बिटर मिशन (मंगलयान) की उप संचालन निदेशक रहीं नंदिनी एक दिसंबर 2013 को चमकीले लाल और नीले रंग की इस रेशमी साड़ी पहनकर कार्यालय पहुंची थीं।

एक दिसंबर 2013 को मंगलयान ने पृथ्वी की कक्षा छोड़ दी: उस दिन नंदिनी और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अन्य विज्ञानी अंतरिक्षयान को मंगल ग्रह की कक्षा की यात्रा पर भेजने के लिए नियंत्रण कक्ष में मौजूद थे। एक दिसंबर 2013 को मंगलयान ने पृथ्वी की कक्षा छोड़ दी और मंगल की तरफ बढ़ चला था। यह दिन नंदिनी और अन्य विज्ञानियों ने लिए बेहद खास था। नंदिनी ने बीबीसी को इंटरव्यू में बताया था, यह करो या मरो का क्षण था। मिशन की सफलता उस दिन की सफलता पर निर्भर थी।

इंजीनियर के लॉकरों में 2 करोड़ कैश मिला

ओडिशा में 5 मल्टीस्टोरी बिल्डिंग समेत 13 प्लॉट 27 साल पहले 6000 सैलरी पर नियुक्ति हुई थी

भुवनेश्वर,एजेंसी। ओडिशा के असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर बैकुंठ नाथ बेहरा के पास से करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ है। बेहरा कंधमाल जिले के बलिगुड़ा स्थित एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (ITDA) में पदस्थ हैं। उनका 1999 में जूनियर इंजीनियर के पद पर अपॉइंटमेंट हुआ था। तब सैलरी 6 हजार रुपए थी।

ओडिशा विजिलेंस को बेहरा के पास आय से ज्यादा संपत्ति होने की शिकायत मिली थी। इसके बाद भुवनेश्वर के विशेष न्यायाधीश (विजिलेंस) के सर्च वारंट के आधार पर विजिलेंस ने शुक्रवार को भुवनेश्वर, जाजपुर, बारिपदा और कंधमाल जिले के कुल 9 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान 5 बहुमंजिला इमारतें, 13 प्लॉट, सोने के गहने और बैंक लॉकरों से करीब 2.4 करोड़ कैश बरामद किए गए हैं। सभी संपत्तियों की कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है। इसे हाल के वर्षों की सबसे बड़ी आय से अधिक संपत्ति की कार्रवाइयों में एक माना जा रहा है।

भुवनेश्वर में चार बहुमंजिला आलीशान मकान: भुवनेश्वर के 4 इलाकों के अलावा जाजपुर जिले के धर्मशाला स्थित पैतृक घर, रिश्तेदारों के आवास, सरकारी क्वार्टर और ऑफिस में भी तलाशी ली गई। कार्रवाई में 2 एडिशनल SP, 5 DSP, 6 इंस्पेक्टर और बड़ी संख्या में अन्य अधिकारियों को लगाया गया। जांच में अब तक पांच बड़ी इमारतों का पता चला है। इनमें भुवनेश्वर स्थित नीलाद्री विहार में लगभग 10,500 वर्गफुट क्षेत्रफल वाली चार मंजिला इमारत सबसे बड़ी है। इसके अलावा सैलश्री विहार में तीन मंजिला भवन, पटिया में दो मंजिला मकान, चंद्रशेखरपुर में दो मंजिला मकान है। जाजपुर जिले के धर्मशाला में पैतृक जमीन पर भी दो मंजिला इमारत बनी है। विजिलेंस को बेहरा और उनके परिवार के नाम पर 13 प्लॉट भी मिले हैं। इनमें 7 प्लॉट भुवनेश्वर, 5 जाजपुर जिले के धर्मशाला और एक बारिपदा में स्थित है। भुवनेश्वर में और भी जमीन होने की जानकारी सामने आई है।

मानसून महाराष्ट्र समेत 7 राज्यों में पहुंचा

केरलम-तमिलनाडु में भारी बारिश, चेन्नई में पारा 40डिग्री

» म.प्र-राजस्थान में 50किमी. की रफ्तार से आंधी चली

भोपाल/ जयपुर/ पटना, एजेंसी। मानसून महाराष्ट्र में समुद्र के किनारे बसे शहर देवगढ़ पहुंच गया है। अनुमान है कि अगले 2 दिन में यह पूरे महाराष्ट्र को कवर कर लेगा। पूर्वोत्तर के मिजोरम और मणिपुर में भी मानसून पहुंच चुका है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन में यह महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के बाकी हिस्सों के साथ तेलंगाना और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में पहुंच सकता है।

मानसून के कारण केरलम, कर्नाटक, गोवा और तमिलनाडु में कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। हालांकि तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में लगातार 5वें दिन पारा 40 डिग्री का आंकड़ा पार कर गया।

उत्तर भारत में भी पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ दिल्ली, यूपी, पूर्वी राजस्थान में तेज गर्मी का दौर दोबारा शुरू हो गया है। यहां कई इलाकों में लू का अलर्ट जारी किया गया है।

देश में गुजरात को छोड़कर अन्य सभी राज्यों में प्री-मानसून बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश समेत नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में शनिवार को तेज बारिश हुई। एमपी में भोपाल समेत 4 जिलों में 50किमी.की रफ्तार वाली आंधी चली।

दावा: नीट पेपर लीक के बाद एनटीए सिस्टम बदलेगा

» एक्सपर्ट्स सवाल तैयार तो करेंगे, पर पता नहीं होगा किस एग्जाम के लिए किया

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक और CBSE की मार्किंग गड़बड़ियों के बाद सरकार परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, NTA ऐसा नया सिस्टम बनाने पर काम कर रही है, जिसमें सवाल तैयार करने वाले एक्पर्ट्स को भी पता नहीं होगा कि वह किस एग्जाम के क्वेश्चन पेपर बना रहे हैं। नई योजना के तहत अलग-अलग विषयों के एक्सपर्ट्स केवल सवाल तैयार करेंगे। इन सवालों को एक बड़े डिजिटल बैंक में रखा जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक इसमें करीब 10 हजार सवाल हो सकते हैं। बाद में टेक्नीक की मदद से इन सवालों से फाइनल एग्जाम पेपर तैयार होगा।

वहीं, शनिवार को इंडियन एक्सप्रेस के आइडिया एक्सचेंज कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा- पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक जिम्मेदारी ली है।

रिजिजू बोले- शिक्षा मंत्री पर सीधा आरोप हो तो इस्तीफा मांगिए... रिजिजू ने कहा कि लाखों छात्रों को हृश्वश्वञ्ज दोबारा देने की नौबत आई और CBSE की मार्किंग गड़बड़ियों से भी परेशानी हुई। ऐसे मामलों में सरकार की जिम्मेदारी समस्या को ठीक करना है, न कि उससे बचना। उन्होंने भरोसा जताया कि उठाए गए कदम भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने में मदद करेंगे।

मणिपुर हिंसा: राहत शिविरों में अब तक 731 विस्थापितों की मौत, 43 हजार लोग अभी भी बेघर

हजारों लोग अभी भी शिविरों में रहने को मजबूर... संघर्ष शुरू होने के तीन साल बाद भी स्थिति सामान्य नहीं हो सकी है। आरटीआई से पता चला है कि राज्य भर में 43,000 से अधिक लोग अब भी राहत शिविरों और प्री-फैब्रिकेटेड घरों में रहने को मजबूर हैं। 30 अप्रैल 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, कांगपोकपी जिले में सबसे अधिक 15,694 विस्थापित आबादी दर्ज की गई है। इसके अलावा बिष्णुपुर में 10,092 और चूराचांदपुर में 6,365 लोग अभी भी शिविरों में रहकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं।

नई दिल्ली,एजेंसी। मणिपुर में मई 2023 में भड़की जातीय हिंसा के बाद से अब तक राहत शिविरों और पहले से निर्मित आवासों में शरण लिए हुए 700 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के गृह विभाग द्वारा सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत शेयर की गई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है। यह जानकारी मणिपुर सूचना आयोग के निर्देश के बाद शुक्रवार को आरटीआई कार्यकर्ता और राजनीतिक विश्लेषक हरेश्वर गोस्वामी को सौंपी गई।

गृह विभाग द्वारा विभिन्न जिला प्रशासनों से जुटाए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, नौ जिलों के राहत शिविरों और अस्थायी आवासों में कम से कम 731 विस्थापितों की जान गई है। मौतों के मामले में चूराचांदपुर जिला सबसे आगे रहा है, जहां 248 लोगों की जान गई है। इसके बाद बिष्णुपुर में 151, कांगपोकपी में 128, इंफाल वेस्ट में 94, काकचिंग में 60 और इंफाल ईस्ट में 25 मौतें दर्ज की गई हैं। वहीं, जिरीबाम में 13, थौबल में 11 और तेंगनौपाल में एक विस्थापित की मौत हुई है।

राहत शिविरों में मौतों की वजह? दस्तावेजों के अनुसार, राहत शिविरों और बस्तियों में कम से कम 25 अप्राकृतिक मौतें भी दर्ज की गई हैं। चूराचांदपुर में छह अप्राकृतिक मौतें हुई, जिनमें डूबने की चार घटनाएं, करंट लगने का एक मामला और यौन उत्पीड़न का एक मामला शामिल है। यौन उत्पीड़न के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिला प्रशासन ने बताया कि इन घटनाओं के बाद शिविरों में काउंसलिंग और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। दूसरी ओर, इंफाल वेस्ट में चार अप्राकृतिक मौतें दर्ज की गई, जिनमें फांसी लगाने के दो मामले, ड्रग ओवरडोज का एक मामला और गोली लगने के कारण हुई एक मौत शामिल है।

स्वास्थ्य संकट का सामना: राहत शिविरों में रह रहे परिवारों को विस्थापन के साथ-साथ गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। आरटीआई के आंकड़ों के अनुसार, इंफाल ईस्ट जिले के शिविरों में 217 लोग गंभीर या लाइलाज बीमारियों से पीड़ित हैं। इसी तरह, इंफाल वेस्ट में 41 और बिष्णुपुर में 26 मरीज ऐसी असाध्य बीमारियों से जूझ रहे हैं।

जिला प्रशासनों ने आरटीआई के जवाब में बताया कि प्रभावित शिविर निवासियों को विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान की जा रही है। इसमें चिकित्सा उपचार, मानसिक काउंसलिंग, दवाएं, व्हीलचेयर, एयर गद्दे और सर्जरी के लिए वित्तीय सहायता शामिल है।

दिल्ली सरकार के दावों की पोल खोल रही ओल्ड पालम रोड, गड्ढों में तब्दील हुई सड़क; लाखों लोग रोज झेलते हैं खतरा

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली में द्वारका को नजफगढ़ से जोड़ने वाला बेहद महत्वपूर्ण ओल्ड पालम रोड इन दिनों अपनी बदहाली की स्थिति में है।लोक निर्माण विभाग और स्थानीय प्रशासन की अनदेखी के कारण इस पूरी सड़क पर जगह-जगह जानलेवा गड्ढे में बदल चुकी हैं। दोपहिया, तिपहिया और चार पहिया वाहन चालक इस उबड़-खाबड़ और टूटी सड़क पर अपनी जान जोखिम में डालकर चलने को मजबूर हैं। मौसम चाहे भीषण गर्मी का हो या बरसात का, इस मार्ग पर सफर करना किसी बुरे सपने जैसा हो गया है। यह मार्ग दिल्ली सरकार द्वारा सड़क के हर गड्ढे को भरने और मरम्मत कर दिए जाने के दावों की पोल खोल रही है।

भारी मात्रा में मिट्टी जमा हो गई: वर्तमान में गर्मी के मौसम के कारण इन गड्ढों में भारी मात्रा में मिट्टी जमा हो गई है। जब भी यहां से गाड़ियां गुजरती हैं, तो उड़ने वाली धूल हवा में फैलकर चालकों के लिए बड़ी समस्या खड़ी कर देती है। यह धूल सीधे वाहन चालकों की आंखों में जाती है, जिससे न सिर्फ आंखों में जलन और परेशानी बढ़ती है, बल्कि सामने देखना भी मुश्किल हो जाता है। इस धूल और गहरे गड्ढों से बचने के चक्कर में वाहन चालक अक्सर अचानक अपनी लेन बदलकर बाएं से दाईं ओर चले जाते हैं। ऐसे में सामने से आ रहे तेज रफ्तार वाहनों से सीधी टक्कर होने की संभावना हर पल बनी रहती है।

यह गड्ढे एक फीट तक गहरे: वहीं, बारिश होने पर तो स्थिति पूरी तरह भयावह हो जाती है। पानी भर जाने के कारण सड़क के ये गड्ढे छिप जाते हैं। कई स्थानों पर तो यह गड्ढे एक फीट तक गहरे हैं, जिसकी वजह से स्कूटी और बाइक जैसे छोटे वाहनों के चालक अनियंत्रित होकर गिर जाते हैं। इस मार्ग पर कभी भी कोई बड़ा और जानलेवा हादसा हो सकता है। यह मार्ग केवल दो क्षेत्रों को ही नहीं जोड़ता, बल्कि दिल्ली के एक बहुत बड़े रिहायशी और व्यापारिक हिस्से की लाइफलाइन है। ओल्ड पालम रोड के दोनों ओर द्वारका उपनगरी के विभिन्न सेक्टर्स जैसे सेक्टर-1, सेक्टर-2, सेक्टर-6 और ककरोला जैसे घने इलाके बसे हैं।

लाखों लोग रोज होते हैं परेशान: इसके अलावा, यह मुख्य सड़क नजफगढ़, पालम गांव, डाबरी, उत्तम नगर और द्वारका मोड़ जैसे प्रमुख क्षेत्रों को आपस में जोड़ती है। रोजाना लाखों की संख्या में कामकाजी लोग, स्कूली बच्चे, व्यापारी और आपातकालीन वाहन (एम्बुलेंस) इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस सड़क की सुध नहीं ली गई, तो ओल्ड पालम रोड पर लापरवाही की वजह से किसी निर्दोष की जान जा सकती है। स्थानीय निवासियों ने पुरजोर मांग की है कि प्रशासन इस मार्ग की तुरंत मरम्मत कराए। सड़क के गड्ढों से उड़ने वाली धूल आंखों में जाती है। गाड़ी चलाना दूभर है, प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। बारिश में एक-एक फीट गहरे गड्ढों में पानी भर जाता है। आए दिन स्कूटी सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं, तुरंत सुधार हो।

वायनाड के स्कूल में 150 छात्र बीमार, उल्टी बुखार के बाद 38 बच्चे अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली एजेंसी। केरल के वायनाड में कोयलाडी स्थित एक एडेड अपर प्राइमरी स्कूल के लगभग 150 छात्र पिछले तीन दिनों से बुखार और उल्टी का इलाज करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये बच्चे मार बेसेलियस एडेड अपर प्राइमरी स्कूल के छात्र हैं और इनमें से 38 बच्चों को, जिन्हें लगातार परेशानी हो रही थी, बाथेरी तालुक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बच्चों के लिए बनाया गया विशेष वार्ड: जिला चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अभी चिंता करने की कोई बात नहीं है और एहतियात के तौर पर स्कूल में एक हफ्ते की छुट्टी घोषित कर दी गई है। अधिकारी ने बताया कि बच्चों के इलाज के लिए बाथेरी तालुक अस्पताल में एक विशेष वार्ड बनाया गया है। जिला चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि छात्रों के अलावा, स्कूल के एक शिक्षक ने भी शारीरिक परेशानी की शिकायत की है।

बच्चों की मौजूदा स्वास्थ्य स्थिति संतोषजनक- पंचायत अधिकारी: अस्पताल का दौरा करने वाले पंचायत अधिकारियों ने बताया कि बच्चों की मौजूदा स्वास्थ्य स्थिति संतोषजनक है। उन्होंने कहा कि कुछ बच्चों में 1 जून से ही लक्षण दिखने लगे थे, लेकिन उनकी शारीरिक परेशानी का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।डॉक्टरों ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने नमूने इकठ्ठे किए हैं और बच्चों की परेशानी का कारण जानने के लिए उन्हें जांच के लिए भेजा है।

राजोकरी फ्लाईओवर पर भीषण हादसा, इनोवा की टक्कर से महिला की मौत, पांच लोग घायल

नई दिल्ली एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंत कुंज साउथ थाना क्षेत्र में रविवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन बच्चों सहित पांच अन्य लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना राजोकरी फ्लाईओवर पर गुरुग्राम की ओर जाने वाले मार्ग पर हुई, जहां एक तेज रफ्तार टोयोटा इनोवा ने पीछे से एक टेम्पो को टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, 7 जून की सुबह करीब 4:25 बजे पीसीआर कॉल के माध्यम से सड़क दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही वसंत कुंज साउथ थाना पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि टोयोटा इनोवा ने टेम्पो को पीछे से जोरदार टक्कर मारी, जिससे उसमें सवार लोग गंभीर रूप से प्रभावित हुए। हादसे के समय टेम्पो में सवार सभी लोग दिल्ली के सीलमपुर क्षेत्र के निवासी थे और गुरुग्राम स्थित एक मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे। दुर्घटना में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन बच्चों और दो वयस्क महिलाओं समेत पांच लोग घायल हो गए। टेम्पो चालक को मामूली चोटें आईं। घटना के बाद सभी घायलों और मृतक महिला को सीएटीएस एम्बुलेंस की सहायता से सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में घायलों का उपचार जारी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घायलों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम को भी मौके पर बुलाया।

गोल्फ कोर्स रोड के निवासियों के लिए खुशखबरी, पानी के कम दबाव से मिलेगा छुटकारा; बिछाई जाएगी नई जलापूर्ति लाइन

नया गुरुग्राम, एजेंसी। गोल्फ कोर्स रोड से जुड़े पांच सेक्टरों में पेयजल आपूर्ति की समस्या को समाप्त करने के लिए गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने नई जलापूर्ति लाइन बिछाने की योजना बनाई है। इसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है, जिसके बाद टेंडर प्रक्रिया आरंभ होगी। जीएमडीए के अनुसार, सेक्टर-42, 43, 53, 54 और 55 में कई स्थानों पर पर्याप्त दबाव के साथ पानी नहीं पहुंचने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसे ध्यान में रखते हुए, सेक्टर-51 स्थित बूस्टिंग स्टेशन से सेक्टर-54 के सनसिटी क्षेत्र तक नई पाइपलाइन डालने का

प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। अधिकारियों का मानना है कि परियोजना पूरी होने के बाद इन क्षेत्रों में पेयजल संकट काफी हद तक समाप्त हो जाएगा। सनसिटी कॉलोनी के ऊंचाई वाले हिस्सों में सबसे अधिक परेशानी सामने आ रही है। इस कालोनी में लगभग 1,500 परिवार निवास करते हैं, जिनमें से कई मकानों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। जीएमडीए ने शिकायतों के बाद सर्वे कराया, जिसमें समस्या की पुष्टि हुई। इसके अतिरिक्त, चंदू बुढेड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में बार-बार होने वाले बिजली कट भी जलापूर्ति व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं। इसका असर विशेष रूप से सुशांत लोक-2, सुशांत लोक-3 और सेक्टर-56 में देखा जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, बिजली आपूर्ति बाधित होने पर मोटरों को पुनः चालू करने में समय लगता है, जिससे पानी की सप्लाई प्रभावित होती है। जीएमडीए के कार्यकारी अभियंता अभिनव वर्मा का कहना है कि गोल्फ कोर्स रोड के इन पांच सेक्टरों में पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नई पाइपलाइन की डीपीआर तैयार की जा रही है। प्रयास है कि अगले वर्ष गर्मियों से पहले व्यवस्था को बेहतर बनाया जाए।

राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल में हुई 25 मरीजों की सर्जरी

वाराणसी, एजेंसी। राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल चौकाघाट में दो दिन तक चली कार्यशाला में बवासीर, फिशर, फिस्टूला इन एनो सहित अन्य बीमारियों से परेशान 25 मरीजों की निशुल्क सर्जरी की गई। इसके साथ ही सर्जरी की विधियों के बारे में भी विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की। आयुर्वेदिक अस्पताल के शल्य विभाग और नीमा सर्जिकल सोसायटी यूपी चैप्टर की ओर से आयोजित सुश्रुतकॉन के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डॉ.केके द्विवेदी ने कहा कि आयुर्वेदिक पद्धति से किए जाने वाले उपचार में नई तकनीक के प्रयोग से युवा डॉक्टरों को सहूलियत होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर डीके मौर्य ने इस तरह के कार्यशालाओं को उपयोगी बताया। इस दौरान डॉ. आलोक गुप्ता, प्रोफेसर पी हेमंत कुमार, डॉ. अशोक कुमार विश्वकर्मा, प्रोफेसर सुमन यादव, डॉ. मृगांक शेखर, प्रोफेसर लक्ष्मण सिंह, डॉ. अरुण दत्त राजोरिया और डॉ. श्रुति सिंह मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑटो पलटा, चालक घायल

गोरखपुर , एजेंसी। एम्स थाना क्षेत्र में गोरखपुर-कुशीनगर मार्ग पर शनिवार दोपहर दो बजे अज्ञात चारपहिया वाहन की टक्कर से एक ऑटो पलट गया। हादसे में ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसपर सवार एक महिला बाल-बाल बच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, मलपुर निवासी धर्मेंद्र यादव (35) ऑटो लेकर गोरखपुर की ओर जा रहे थे। कुसम्ही बाजार कस्बे से आगे एक निजी धर्मकांटा के समीप पहुंचते ही पीछे से आए एक तेज रफ्तार अज्ञात चारपहिया वाहन ने ऑटो में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो क्षतिग्रस्त होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में चालक धर्मेंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं ऑटो में बैठी एक महिला को कोई गंभीर चोट नहीं आई और वह सुरक्षित बच गई। घटना की सूचना मिलते ही एम्स थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल चालक को उपचार के लिए एम्स अस्पताल भेजवाया। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान और घटना की जांच में जुटी है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व एनएसए को बताया बुरा और भ्रष्ट इंसान, बोले- बेईमानी की कीमत चुका रहे जॉन बोल्टन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन पर तीखा हमला किया है। ट्रंप ने बोल्टन को एक बुरा और भ्रष्ट आदमी करार दिया है। उन्होंने कहा कि बोल्टन अपनी बेईमानी की सजा भुगत रहे हैं। शनिवार को चिप्पेवा फॉल्स की यात्रा के दौरान एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने बोल्टन की जमकर आलोचना की। ट्रंप ने कहा कि जॉन बोल्टन एक बेईमान इंसान हैं और वह बिल्कुल भी समझदार नहीं हैं। ट्रंप के मुताबिक, बोल्टन को युद्ध करने का बहुत शौक था। वह हर उस व्यक्ति के खिलाफ युद्ध छेड़ना चाहते थे जो उनके

सामने बोलता था।

उन्होंने यह भी कहा कि वह कभी बोल्टन के प्रशंसक नहीं रहे और उन्हें केवल एक खास उद्देश्य के लिए काम पर रखा था। ट्रंप ने दावा किया कि बोल्टन ने पूर्व राष्ट्रपति बुश के समय भी बहुत सी समस्याएं खड़ी की थीं। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि बोल्टन की युद्ध वाली सलाहों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था क्योंकि वह कभी उनकी बात नहीं सुनते थे। ट्रंप ने बोल्टन की किताब का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने सारी जानकारी ली और उसका गलत इस्तेमाल किया। ट्रंप ने कहा कि बोल्टन को पकड़ लिया गया है और अब वह अपनी बेईमानी की कीमत चुका रहे हैं।

जॉन बोल्टन कस रहा कानूनी शिकंजा: इस बीच, जॉन बोल्टन पर कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि बोल्टन गोपनीय दस्तावेजों को गलत तरीके से रखने के मामले में अपना दोष स्वीकार कर सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ा खतरा, यूरोप और उत्तरी अमेरिका तक पहुंच सकता है चिकनगुनिया

वाशिंगटन, एजेंसी। कभी चिकनगुनिया को मुख्य रूप से गर्म जलवायु वाले देशों की बीमारी माना जाता था, पर अब वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन इस बीमारी का भूगोल बदल सकता है। बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण ऐसे मच्छरों का दायरा तेजी से बढ़ रहा है जो चिकनगुनिया वायरस फैलाते हैं। इसके परिणामस्वरूप आने वाले दशकों में दुनिया के कई ठंडे क्षेत्र भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। भारत के लिए भी बढ़ सकती है चिंता प्रतिष्ठित जर्नल फ्रंटियर्स इन सेलुलर एंड इन्फेक्शन माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित

अध्ययन के अनुसार सदी के अंत तक उत्तर-पूर्वी उत्तरी अमेरिका, मध्य यूरोप और पूर्वी एशिया के कई हिस्से चिकनगुनिया के नए हॉटस्पॉट बन सकते हैं। अध्ययन में भारत के लिए भी चिंता जताई गई है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि बीमारी नए क्षेत्रों में फैलती है तो 1.21 करोड़ भारतीय इसके जोखिम में आ सकते हैं। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, नागासाकी यूनिवर्सिटी और इंटरनेशनल वैक्सीन इंस्टीट्यूट से जुड़े वैज्ञानिकों के एक अन्य अध्ययन के अनुसार, हर साल दुनिया भर में करीब 1.44 करोड़ लोग चिकनगुनिया के जोखिम में हैं। इनमें से करीब 51 लाख लोग भारत में हैं। भविष्य में यह संख्या वैश्विक स्तर पर 3.49 करोड़ तक पहुंच सकती है। एशियाई टाइगर मच्छर बना सबसे बड़ी वजह बीमारी के बढ़ते खतरे के पीछे बड़ी भूमिका एशियाई टाइगर मच्छर, यानी एडीज एल्बोपिक्टस निभा सकता है।

ट्रंप की टेक टीम को बड़ा झटका, व्हाइट हाउस के सलाहकार श्रीराम कृष्णन देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नीति के प्रमुख सलाहकार रहे भारतीय मूल के श्रीराम कृष्णन जून के अंत में अपना पद छोड़ देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में एआई रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले कृष्णन ने खुद सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब वह अमेरिका के सामने एआई से जुड़े बड़े मुद्दों पर नए स्तर पर काम करेंगे। उनके इस्तीफे को ट्रंप प्रशासन की टेक नीति के लिए बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है। श्रीराम कृष्णन ने कहा कि व्हाइट हाउस में काम करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा। उन्होंने कहा कि वह जून के आखिर में अपना पद छोड़ देंगे और कुछ समय के ब्रेक के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के लिए एआई से जुड़े बड़े संस्थागत काम करेंगे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व के बिना अमेरिका एआई की वैश्विक दौड़ में आगे नहीं होता। कृष्णन ने अपने 18 महीने के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिकी एआई एक्शन प्लान तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्होंने एआई एक्सेलेरेशन पार्टनरशिप, राष्ट्रीय एआई नीति फ्रेमवर्क और एआई से जुड़े कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर काम किया। उन्होंने फ्रांस, भारत, ब्रिटेन और मध्य पूर्व में आयोजित एआई बैठकों का भी जिक्र किया।

एआई नीति में श्रीराम कृष्णन की क्या थी भूमिका: श्रीराम कृष्णन ट्रंप प्रशासन की उस टीम का हिस्सा थे जिसने अमेरिका में एआई सेक्टर के विस्तार के लिए रोडमैप तैयार किया। उन्होंने डेटा सेंटर बढ़ाने, एआई निवेश को आसान बनाने और नियमों में ढील देने जैसी नीतियों पर काम किया। माना जाता है कि उन्होंने राज्यों के एआई रेगुलेशन अधिकार सीमित करने वाले प्रस्तावित आदेश को तैयार करने में भी भूमिका निभाई थी। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा कि श्रीराम कृष्णन ने अपने निजी करियर को छोड़कर अमेरिका की तकनीकी ताकत को मजबूत करने के लिए बड़ा योगदान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में वैश्विक नेतृत्व दिलाने में कृष्णन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

ट्रंप प्रशासन ने एआई पर क्यों बढ़ाया फोकस: अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार एआई सेक्टर को अमेरिका की रणनीतिक ताकत बता रहे हैं। चीन के साथ बढ़ती तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच अमेरिका एआई, डेटा सेंटर, चिप निर्माण और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से निवेश कर रहा है। श्रीराम कृष्णन इसी रणनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल थे। कृष्णन ने अपने बयान में कहा कि आने वाले समय में ऊर्जा, डेटा सेंटर और आम लोगों तक एआई के फायदे पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को मिलकर काम करना होगा।

इस्राइल में लगेगी छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा, जानिए क्या बोले इस्राइली राजनयिक

यरुशलम, एजेंसी। भारत और इस्राइल के बीच सांस्कृतिक और कूटनीतिक रिश्तों को नई मजबूती मिलने जा रही है। इस्राइल में जल्द ही छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा और स्मारक स्थापित किए जाएंगे, जिसे दोनों देशों की दोस्ती का प्रतीक माना जा रहा है। इस्राइल के कॉन्सुल (राजनयिक) जनरल यानिव रेवाच ने बताया कि यह पहल भारत-इस्राइल संबंधों को और गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, उन्होंने लेबनान से होने वाले हमलों के खिलाफ इस्राइल की सुरक्षा कार्रवाई का बचाव किया। दोस्ती और प्रेरणा का प्रतीक होगी प्रतिमा यानिव रेवाच के कहा कि यह परियोजना केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक गुडविल प्रोजेक्ट है, जो दोनों देशों के लोगों को जोड़ने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भारत और इस्राइल के बीच दोस्ती और प्रेरणा का स्थायी प्रतीक बनेगी। पिछले फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्राइल के दौरे के बाद, हमने तय किया कि हम यहां भारत में एक बड़े

प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। इस विचार ने असल में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दफ्तर को भी सूचित किया। वह तुरंत मुझसे मिलने के लिए मान गए। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्होंने मुझसे कहा कि वह हमारे खूबसूरत प्रोजेक्ट का समर्थन करने और हमारी हर तरह से मदद करने को तैयार हैं जिसकी हमें जरूरत होगी।

ऐतिहासिक जुड़ाव से मिली प्रेरणा: इस्राइली राजनयिक ने बताया कि भारत का इतिहास उन्हें बेहद प्रेरणादायक लगा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संघर्ष और राष्ट्र निर्माण की कहानियों में कई समानताएं हैं। इसी सोच के तहत इस सांस्कृतिक परियोजना की शुरुआत की गई है, जिसमें शिवाजी महाराज की मूर्ति इस्राइल में स्थापित की जाएगी। इसके अलावा, हम यह भी सोच रहे हैं कि क्या हम शिवाजी की किताब का हिब्रू में ट्रांसलेशन कर सकते हैं, इसका

ट्रांसलेशन करें ताकि लोग उनकी स्क्रिप्ट के बारे में जान सकें।

कला और शिक्षा पर भी जोर: इस्राइल प्रशासन इस परियोजना को केवल प्रतिमा तक सीमित नहीं रखना चाहता। योजना के तहत एक श्रेष्ठ कलाकार द्वारा मूर्ति तैयार की जाएगी और इसे इस्राइल के किसी प्रमुख स्थान पर स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा, शिवाजी महाराज के जीवन और विचारों को समझाने के लिए उनकी पुस्तक का हिब्रू भाषा में अनुवाद करने की भी संभावना पर विचार किया जा रहा है। भारत-इस्राइल रिश्तों में बढ़ती मजबूती पिछले कुछ वर्षों में भारत और इस्राइल के बीच रक्षा, तकनीक, साइबर सुरक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार बढ़ा है।

अब यह साझेदारी सांस्कृतिक स्तर पर भी मजबूत होती दिखाई दे रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे सांस्कृतिक प्रोजेक्ट दोनों देशों के बीच लोगों से लोगों के संबंधों को और मजबूत करेंगे।

लेबनान पर भी रखी अपनी बात: इस्राइली राजनयिक ने कहा कि लेबनान के साथ उसका कोई सीधा विवाद नहीं है और वह वहां की सरकार और जनता के साथ शांति चाहता है। इस्राइल का कहना है कि समस्या लेबनान में सक्रिय ईरान समर्थित संगठनों से जुड़ी है, जिनमें हिजबुल्ला, इराक की शिया मिलिशिया, यमन के हूती और गाजा पट्टी का हमास शामिल हैं। इस्राइल का दावा है कि ये संगठन लंबे समय से उसके सीमावर्ती क्षेत्रों पर हमले करते रहे हैं, जिससे तनाव की स्थिति बनी रहती है। तब तक क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करना कठिन होगा।

सिंगापुर का बड़ा फैसला: भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली ऑनलाइन सामग्री ब्लॉक करने का आदेश

सिंगापुर, एजेंसी। भारत में सिंगापुर के उच्चायोग ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी सरकार ने सोशल मीडिया साइटों को भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली सामग्री को ब्लॉक करने का आदेश दिया है। यह सामग्री संभवतः चीन से उत्पन्न हुई थी। सिंगापुर के गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार, ऑनलाइन आपराधिक नुकसान अधिनियम 2023 के तहत पुलिस बल ने यूट्यूब, फेसबुक और एक्स पर सामग्री के लिए 'अक्षम करने के निर्देश' जारी किए हैं। ये निर्देश सिंगापुर के बहुसंस्कृतिवाद मॉडल को कमजोर करने वाली सामग्री से निपटने के लिए हैं। पिछले महीने चीनी सूचना क्षेत्र में सिंगापुर की सांस्कृतिक पहचान पर चिंता संबंधी बातें प्रसारित हुईं।

सामाजिक सद्भाव के लिए बाहरी खतरों पर सख्त एक्शन: इसके बाद ऑनलाइन सामग्री में सिंगापुर की विविधता पर भड़काऊ बातें सामने आईं। इसमें कहा गया कि सिंगापुर भारतीयों से 'भर गया' है। सिंगापुर सरकार स्वदेशीवाद और विदेशियों के प्रति घृणा का दृढ़ता से विरोध करती है। सरकार सामाजिक सद्भाव के लिए बाहरी खतरों को गंभीरता से लेती है और दृढ़ता से कार्रवाई करेगी।

ज्ञान भारतम् मिशनः सीधी की प्राचीन ज्ञान-संपदा को सहेजने की पहल

कलेक्टर की अपील-घरों में सुरक्षित पाण्डुलिपियों को सामने लाएं, ज्ञान धरोहर बचाएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत सीधी जिले के रामपुर नैकिन विकासखंड स्थित ऐतिहासिक एवं पुरातात्त्विक महत्व के चंद्रेह ग्राम में प्राचीन शिव मंदिर एवं मठ परिसर के समीप एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर विकास मिश्रा ने की इस अवसर पर उपखंड अधिकारी चुरहट विकास आनंद, जिला शिक्षा अधिकारी पी के सिंह, जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी), विनय मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, विद्वान एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे बैठक में जिले में उपलब्ध प्राचीन पाण्डुलिपियों के संरक्षण, पंजीयन एवं संग्रहण के साथ-साथ चंद्रेह स्थित प्राचीन शिव मंदिर एवं मठ के जीर्णोद्धार तथा क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त जिले के सांस्कृतिक,

सामाजिक एवं आर्थिक विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी नागरिकों के साथ विचार-विमर्श किया गया कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि खगोल विज्ञान, ज्योतिष, कर्मकाण्ड, आयुर्वेद, पंचांग तथा भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित अनेक अमूल्य पाण्डुलिपियां आज भी लोगों के घरों में सुरक्षित हैं। जानकारी के अभाव में यह बहुमूल्य धरोहर नष्ट होती जा रही है। उन्होंने आमजन से इन पाण्डुलिपियों के संरक्षण एवं पंजीयन में सहयोग करने की अपील की ग्रामीण क्षेत्रों में मिला दुर्लभ ज्ञान का खजाना पाण्डुलिपि संरक्षण अभियान के तहत प्रीता शुक्ला द्वारा विभिन्न गांवों का भ्रमण कर लोगों से संपर्क स्थापित किया गया तथा अनेक महत्वपूर्ण ग्रंथों एवं अभिलेखों की जानकारी संकलित की गई। अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने इसे और व्यापक स्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए।

अभियान के दौरान ग्राम पैपखरा निवासी विवेक शुक्ला के यहां से अथ संध्या प्रयोग एवं दैनिक पूजा पद्धति सहित अनेक ग्रंथ प्राप्त हुए। रामजी शुक्ला के यहां से नवग्रह पूजा एवं शिवलिंग स्थापना संबंधी पुस्तकें मिलीं। सतहोरी निवासी रामहेतु द्विवेदी के यहां से हरिचरितचिंतामणि ग्रंथ प्राप्त हुआ। भमरहा निवासी उमेश पांडे के यहां से पूजन पद्धति एवं कर्मकाण्ड संबंधी पुस्तकें मिलीं।

इसी प्रकार कपुरी निवासी उमेश सिंह के यहां से रीवा राज्य के वंशजों से संबंधित पुस्तक तथा मत्स्यमयूर नामक ग्रंथ प्राप्त हुआ। हत्था निवासी संतोष शुक्ला के यहां अठारह पुराण एवं अन्य प्राचीन ग्रंथ सुरक्षित पाए गए, जबकि आशुतोष शुक्ला के यहां से ज्योतिष विषयक अभिलेख प्राप्त हुए। रामनगर निवासी रामानुज तिवारी के यहां से रामनगरः एक एवं शताधिक पुस्तक की हस्तलिखित एवं मुद्रित प्रतियां मिलीं वहीं कपुरी निवासी भरतलाल शुक्ला के यहां से पूजन पद्धति संबंधी ग्रंथ प्राप्त हुआ संग्रहालय स्थापना सहित कई महत्वपूर्ण सुझाव

बैठक में उपस्थित नागरिकों एवं विशेषज्ञों ने जिले की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इनमें ज्ञान मंडपम् के माध्यम से पाण्डुलिपियों के संग्रहण एवं संरक्षण तथा एक समर्पित संग्रहालय की स्थापना, वैदिक परंपराओं के संरक्षण हेतु वेद मंत्रों के नियमित पाठ एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम, विद्यार्थियों के लिए भारतीय संस्कृति आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन तथा स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मंदिरों में प्रसाद निर्माण एवं वितरण की व्यवस्था प्रमुख रही इसके अलावा नागरिकों ने पाण्डुलिपियों, प्राचीन मूर्तियों, सती शिलाओं एवं अन्य पुरातात्त्विक धरोहरों की जानकारी साझा करने के लिए एक समर्पित व्हाट्सएप नंबर जारी करने का सुझाव दिया। बनास एवं सोन नदियों के संगम स्थल पर नियमित आरती एवं पूजा आयोजन की भी अनुशंसा की गई, जिससे धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सके ज्ञान-संपदा के संरक्षण का सामूहिक अभियान बैठक में यह संकल्प व्यक्त किया गया कि सीधी जिले की प्राचीन ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत एवं पुरातात्त्विक धरोहरों के संरक्षण के लिए प्रशासन एवं समाज मिलकर कार्य करेंगे। साथ ही जिले में उपलब्ध दुर्लभ पाण्डुलिपियों को संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए प्रतिभाशाली बच्चों के नामांकन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण प्रतिभा और उपलब्धियों का प्रदर्शन करने वाले बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने के लिए वर्ष 2026 के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जिला शिक्षा केन्द्र सीधी ने जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों एवं शिक्षा अधिकारियों को पात्र बच्चों की पहचान कर उनके नामांकन प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं जिला परियोजना समन्वयक ने बताया कि भारत सरकार द्वारा 18 वर्ष से कम आयु के उन बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किया जाता है, जिन्होंने वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। 31 जुलाई 2026 की स्थिति में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे इस पुरस्कार के लिए पात्र होंगे विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, कमजोर वर्गों तथा दिव्यांग बच्चों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को प्राथमिकता के साथ चिन्हित करने पर जोर दिया गया है। जिले में ऐसे प्रेरणादायी और प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान कर उन्हें राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं भारत सरकार के पोर्टल पर नामांकन की सुविधा 1 अप्रैल से 31 जुलाई 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इस संबंध में जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों, शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों तथा प्रधानाध्यापकों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

निर्देशानुसार प्रत्येक विकासखंड से कम से कम पांच पात्र बच्चों की पहचान कर उनके नामांकन प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। प्रस्तावों के साथ बच्चों की उपलब्धियों का विस्तृत विवरण, संबंधित प्रमाण-पत्र, फोटोग्राफ एवं वीडियो भी संलग्न किए जाएंगे।

जिला शिक्षा केन्द्र ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय प्रमुखों से कहा है कि पात्र बच्चों के प्रस्ताव पूर्ण दस्तावेजों सहित 20 जुलाई 2026 तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि निर्धारित समय-सीमा के भीतर भारत सरकार के पोर्टल पर उनका नामांकन किया जा सके।

अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रशासन की कार्रवाई, बिना नंबर हाइवा जब्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विकास मिश्रा तथा पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिहावल राजेश शुक्ला एवं जिला खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में खनिज एवं राजस्व विभाग के संयुक्त दल द्वारा सिहावल क्षेत्र में व्यापक जांच अभियान चलाया गया

संयुक्त दल ने ग्राम दुअरा स्थित सुरेश तिवारी तथा ग्राम लौआ स्थित सजन कुमार अग्रवाल के पक्ष में स्वीकृत एवं संचालित

पत्थर खदानों की प्राप्त शिकायतों के आधार पर जांच की। निरीक्षण के दौरान कुछ अनियमितताएं पाए जाने पर एसडीएम राजेश शुक्ला ने मौके पर उपस्थित तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं हल्का पटवारी को खदान क्षेत्रों की पैमाइश कर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए जांच अभियान के दौरान ग्राम चमरौहा, तहसील सिहावल क्षेत्र में एक बिना नंबर की हाइवा वाहन (चेसिस क्रमांक डाञ्56700ड्3ब्08101) को रेत का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहन चालक महेश कुमार पटेल, निवासी ग्राम घुरेहटा, पोस्ट मऊगंज, परिवहन संबंधी कोई वैध अनुमति अथवा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इस पर वाहन को नियमानुसार जब्त कर थाना अमिलिया की अभिरक्षा में सुरक्षित रखा गया है

खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि संबंधित वाहन चालक एवं स्वामी के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं बिना नंबर वाहन से खनिज परिवहन किए जाने के मामले में मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई के लिए जिला परिवहन अधिकारी को भी पृथक से पत्र प्रेषित किया जाएगा।

कलेक्टर के क्षेत्र भ्रमण में मिली शिकायतों के बाद पटवारी निलंबित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा के राजस्व निरीक्षक मंडल खड्डी के क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों द्वारा प्राप्त शिकायतों एवं जांच प्रतिवेदन के आधार पर खड्डी खुर्द एवं खड्डी कला हल्के के पटवारी बृजेश कुमार प्रजापति को निलंबित कर दिया गया है।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलंब तथा कार्य के लिए अवैध राशि की मांग किए जाने संबंधी शिकायतें की थीं। कलेक्टर के निर्देश पर कराई गई जांच में कई राजस्व प्रकरण लंबे समय से लंबित पाए गए साथ ही सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में शिथिलता तथा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना की भी पुष्टि हुई नायब तहसीलदार हनुमानगढ़ द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के परीक्षण के उपरांत शासकीय कार्यों में लापरवाही एवं अनुशासनहीनता पाए जाने पर उपखंड अधिकारी (राजस्व) रामपुर नैकिन विकास आनंद ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत पटवारी बृजेश कुमार प्रजापति को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय रामपुर नैकिन निर्धारित किया गया है।

पीएम सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्ष पूर्ण, 9 जून को जिलेभर में लगेंगे विशेष एएनसी शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 9 जून को जिले की सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में विशेष एएनसी (प्रसव पूर्व जांच) शिविर आयोजित किए जाएंगे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निर्देशानुसार सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलने वाले इन शिविरों में गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क जांच एवं स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिला चिकित्सालय, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में विशेष पीएमएसएमए सत्र आयोजित होंगे। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) एवं एएनएम द्वारा सेवाएं प्रदान की जाएंगी शिविर में पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की गुणवत्तापूर्ण एएनसी एवं पीएनसी जांच की जाएगी। साथ ही छूटी हुई एवं नवीन गर्भवती महिलाओं का पंजीयन कर नए एमसीपी कार्ड भी वितरित किए जाएंगे। उच्च जोखिम गर्भावस्था (एचआरपी) वाली महिलाओं की पहचान, उपचार एवं नियमित फॉलोअप पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। गर्भवती महिलाओं की वजन, ऊंचाई, बीएमआई, एमयूएसी, रक्तचाप तथा पेट संबंधी जांच के साथ ही हीमोग्लोबिन, यूरिन एल्बुमिन एवं शुगर, मलेरिया, वीडीआरएल, सिकल सेल, एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी, ओजीटीटी एवं ब्लड ग्रुप जैसी आवश्यक प्रयोगशाला जांचें की जाएंगी। आवश्यकता अनुसार सोनोग्राफी एवं थायरॉइड प्रोफाइल की जांच की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। साथ ही आयरन-फोलिक एसिड, कैल्शियम, एल्बेंडाजोल, आयरन सुक्रोस, एफसीएम सहित आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है शिविरों में आने वाली महिलाओं की सुविधा के लिए पेयजल, बैठने की व्यवस्था, पृथक पंजीकरण काउंटर तथा स्वल्पाहार की व्यवस्था की जाएगी। निजी क्षेत्र के स्त्री रोग विशेषज्ञों तथा आईएमए एवं फॉगसी से जुड़े चिकित्सकों का सहयोग भी लिया जाएगा। आशा कार्यकर्ताओं को उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं को शिविर तक लाने पर प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी, जबकि 108 एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से निःशुल्क परिवहन की सुविधा उपलब्ध रहेगी सुमन हेल्प डेस्क के माध्यम से उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं को शिविर तक पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। शिविर में प्रदान की गई सभी सेवाओं एवं जांचों की जानकारी उसी दिन ई-पीएमएसएमए पोर्टल तथा अनमोल 2.0 पर दर्ज की जाएगी कार्यक्रम की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी तथा विकास सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि स्वास्थ्य संस्थाओं का भ्रमण करेंगे। स्वास्थ्य विभाग ने सभी संस्था प्रभारियों को व्यवस्थाएं सुचारु रखने के निर्देश दिए हैं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले की सभी गर्भवती महिलाओं से 9 जून को अपने निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर निःशुल्क जांच एवं परामर्श सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक गर्भवती महिला तक गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व सेवाएं पहुंचाकर मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाना है।

झिरिया आंगनवाड़ी सहायिका नियुक्ति निरस्त, जांच के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्राम झिरिया में आंगनवाड़ी सहायिका की नियुक्ति से संबंधित प्रकरण में कलेक्टर विकास मिश्रा ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 1 जनवरी 2026 को जारी आदेश सहित नियुक्ति संबंधी संपूर्ण कार्यवाही को निरस्त कर दिया है साथ ही आवेदिका द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन को भी अमान्य घोषित किया गया है प्रकरण की विस्तृत जांच एवं विवेचना के उपरांत कलेक्टर ने पाया कि नियुक्ति प्रक्रिया में नियमों के विपरीत कार्यवाही की गई है। आदेश में महिला एवं बाल विकास परियोजना सिहावल के परियोजना अधिकारी की संलिप्तता तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, सीधी की सहभागिता परिलक्षित होने का उल्लेख किया गया है कलेक्टर ने इस मामले को गंभीर मानते हुए परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास परियोजना सिहावल के विरुद्ध विभागीय जांच प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं वहीं जिला कार्यक्रम अधिकारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर उनका जवाब प्राप्त करने के निर्देश भी दिए गए हैं आदेश में कहा गया है कि यदि प्रस्तुत जवाब समाधानकारक नहीं पाया जाता है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई का प्रस्ताव सक्षम प्राधिकारी को भेजा जाएगा कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि शासकीय नियुक्तियों में पारदर्शिता एवं नियमों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विश्व साइकिल दिवस पर निकली ''संडे ऑन साइकिल'' रैली साइकिल चलाओ, सेहत बनाओ और पर्यावरण बचाओ का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी अरविंद वास्तव के निर्देशन में विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर रविवार को ष्ैनदकंल व्द ब्लबसमष्साइकिल रैली का आयोजन किया गया रैली का शुभारंभ प्रातः 7 बजे उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1 के प्राचार्य शंभुनाथ त्रिपाठी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। साइकिल रैली एसपी कार्यालय परिसर से प्रारंभ होकर सम्राट चौक, अस्पताल चौक सहित शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1 के प्रांगण में संपन्न हुई ''साइकिल चलाओ -

सेहत बनाओ - पर्यावरण बचाओ'' थीम पर आयोजित इस रैली में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने साइकिलिंग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया इस अवसर पर प्राचार्य त्रिपाठी ने कहा कि साइकिलिंग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने युवाओं से साइकिल को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। रैली में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यालय सहायक भूमेश ठाकरे, जिला खेल प्रशिक्षक मानिंद शेर अली खान, जयवीर सिंह, ललिता साकेत, सरोज पटेल, शिक्षा विभाग के पीटीआई दिलीप वर्मा, कीर्ति सिंह सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे

खेल विभाग द्वारा संचालित ष्फिट इंडिया मूवमेंटष् के अंतर्गत इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से किए जा रहे हैं, जिससे युवाओं में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित हो सके विश्व साइकिल दिवस पर सीधी में फिटनेस का संदेश विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर आयोजित ष्ैनदकंल व्द ब्लबसमष् रैली में युवाओं ने उत्साह के साथ सहभागिता करते हुए स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। शहर के प्रमुख मार्गों पर निकली इस रैली ने लोगों को साइकिल अपनाने और फिट रहने के लिए प्रेरित किया।

नगरीय निकाय एवं पंचायतों की मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्यक्रम संशोधित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 के पूर्व में जारी कार्यक्रम में संशोधन किया गया है अब प्रारूप मतदाता सूची में दावे-आपत्ति 15 जून तक लिये जायेंगे दावे-आपत्तियों का निराकरण 25 जून तक किया जायेगा। फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 18 जुलाई को किया जायेगा पूर्व में जारी कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 जून को होना था कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विकास मिश्रा द्वारा रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देशित किया है।

कलेक्ट्रेट परिसर में शुरू हुआ जैविक संसाधन केंद्र प्राकृतिक खेती के लिए अब किसानों को एक ही स्थान पर मिलेंगे जैविक कृषि आदान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट परिसर में जैविक संसाधन केंद्र का शुभारंभ किया गया है। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित इस केंद्र के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक खेती में उपयोग होने वाले विभिन्न जैविक कृषि आदान एक ही स्थान पर उपलब्ध कराए जाएंग केंद्र में बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र तथा अग्निआस्त्र जैसे प्राकृतिक कृषि उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है। साथ ही किसानों को इन उत्पादों के उपयोग, लाभ और प्राकृतिक खेती की उन्नत तकनीकों की जानकारी भी प्रदान की जाएगी। आजीविका मिशन द्वारा जिले में संचालित जैविक संसाधन केंद्रों को एकीकृत कृषि क्लस्टर (आईएफसी) के तहत सशक्त बनाया जा रहा है, ताकि किसानों को स्थानीय स्तर पर

गुणवत्तायुक्त जैविक उत्पाद उपलब्ध हो सकें। किसानों की आवश्यकता के अनुसार उचित मूल्य पर जैविक आदान उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है वर्तमान में सीधी विकासखंड के बढ़ौरा, देवगढ़, डिहुली और टीकट कला में भी जैविक संसाधन केंद्र संचालित हैं। इन केंद्रों के माध्यम से रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने तथा प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने का कार्य किया जा रहा है

विशेषज्ञों का मानना है कि जैविक एवं प्राकृतिक खेती से उत्पादन लागत में कमी आती है मृदा की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है इसके साथ ही सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उत्पादन सुनिश्चित होता है जिससे किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ मिलता है आजीविका मिशन ने किसानों से जैविक संसाधन केंद्रों की सेवाओं का लाभ उठाने तथा प्राकृतिक खेती को अपनाने की अपील की है। मिशन का उद्देश्य टिकाऊ कृषि प्रणाली को बढ़ावा देकर किसान समृद्धि, स्वस्थ पर्यावरण और सुरक्षित खाद्य उत्पादन सुनिश्चित करना है एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे जैविक उत्पाद कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जैविक संसाधन केंद्र किसानों के लिए प्राकृतिक खेती से जुड़े आवश्यक उत्पादों की उपलब्धता का प्रमुख केंद्र बनेगा। यहां किसानों को जैविक कृषि आदानों की खरीद के साथ-साथ प्राकृतिक खेती की तकनीकी जानकारी और मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा।

नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं कुंजना द्विवेदी पति श्री लोकनाथ द्विवेदी निवासी संकरी टेला बघवार तहसील बघवार जिला सीधी (म.प्र) यह घोषणा करती हूँ कि मेरी पुत्री का नाम जन्म प्रमाण पत्र में प्रिया द्विवेदी अंकित है जबकि आधार कार्ड में त्रुटिवश नैनसी द्विवेदी अंकित हो गया है। अतः मेरी पुत्री का सही एवं वास्तविक नाम प्रिया द्विवेदी ही माना जाए तथा भविष्य में सभी शासकीय, अर्धशासकीय, बैंकिंग, शैक्षणिक एवं अन्य अभिलेखों में यही नाम मान्य किया जाए।

कुंजना द्विवेदी
पति - श्री लोकनाथ द्विवेदी

शासकीय कन्या विद्यालय के पास पकरिहा
टेला बघवार जिला सीधी मध्यप्रदेश

सत्ता बदली, हिंसा बरकरार, बंगाल में चुनाव बाद फिर सुलगा सियासी संग्राम

संपादकीय

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव इस बार ऐतिहासिक बदलाव लेकर आया। हालांकि ऐसा लग रहा है कि यह बदलाव केवल सत्ता के स्तर पर हुआ है, जमीनी हकीकत अब भी वही है। राज्य पहले की तरह ही चुनाव बाद की हिंसा और बदले की कार्रवाइयों में फंसा हुआ है।

सांसदों पर हमलेः TMC नेताओं पर हालिया हमलों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पहले पार्टी के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में निशाना बनाया गया। पार्टी इस मुद्दे को अदालत ले जाने और लोकसभा स्पीकर के सामने उठाने की तैयारी में है। इसके बाद, TMC के चीफ विप कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि हुगली जिले में उनके निर्वाचन क्षेत्र में उन पर हमला हुआ। सरकार की जिम्मेदारीः तृणमूल कांग्रेस इन हमलों के लिए BJP पर आरोप लगा रही है, जबकि यह भी कहा जा रहा है कि ममता शासन के खिलाफ लोगों का दबा गुस्सा अब बाहर निकल रहा है। हालांकि राजनीतिक हिंसा को किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। राज्य ने इस बार बदलाव के लिए वोट दिया है और यह बदलाव राजनीतिक परिदृश्य में भी दिखना चाहिए।

BJP ने लॉ एंड ऑर्डर को चुनावी मुद्दा बनाया था। अब सरकार में होने के नाते सभी की सुरक्षा की जिम्मेदारी उस पर आती है। किसी को भी किसी भी वजह से कानून हाथ में लेने की छूट नहीं मिलनी चाहिए।

सुधार नहींः चुनाव बाद हिंसा बंगाल की बहुत पुरानी बीमारी है। 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद भी हिंसा के सैकड़ों केस दर्ज किए गए थे। तब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 1900 से ज्यादा मामलों की जांच की थी। इसमें स्थानीय पुलिस-प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए गए थे। हालांकि इससे न तो 2023 के पंचायत चुनाव और न ही 2024 के आम चुनावों में कोई सबक लिया गया। इस बार भी चुनाव परिणाम घोषित होते ही कई जगह से तोड़फोड़, मारपीट की खबरें आईं। सीएम शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या हुई। रिजल्ट आने के तीन दिन बाद ही बंगाल पुलिस ने 200 से ज्यादा केस दर्ज कर 400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर लिया था।

शासन पर असरः अपने नेताओं पर हमले के विरोध में ममता बनर्जी के नेतृत्व में TMC आज प्रदर्शन करेगी। उसके और सत्ताधारी BJP के बीच तनाव बना हुआ है। इसका असर शीर्ष नेताओं से लेकर नीचे कार्यकर्ताओं तक दिख रहा है। कानून-व्यवस्था के लिहाज से यह स्थिति चिंताजनक है। सरकार और विपक्ष के बीच अगर ऐसे ही टकराव चलता रहा, तो शासन से जुड़े कामकाज पर असर पड़ेगा।

अन्नामलाई की नई पार्टी इधु नम्मा इयक्कम के राजनीतिक मायने

सौरभ वार्ष्णेय

भाजपा प्रदेश पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने भाजपा से इस्तीफा देकर एक नए राजनीतिक आंदोलन की शुरुआत की है यानी अपनी नई पार्टी का शुरुआज कर दी है जिसका नाम उन्होंने इधु नम्मा इयक्कम रखा है जिसका शाब्दिक अर्थ है यह हमारा आंदोलन है या यह हमारा जन-आंदोलन है । तमिलनाडु की राजनीति एक बार फिर बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है।

तमिलनाडु इस समय बडे ऊहापोह की स्थिति से गुजर रहा है। भाजपा के प्रदेश पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने भाजपा से इस्तीफा देकर एक नए राजनीतिक आंदोलन की शुरुआत की है, जिसे विभिन्न रिपोर्टों में वी द लीडर्स तथा तमिल पहचान आधारित नए जनआंदोलन के रूप में प्रस्तुत किया गया है। अन्नामलाई ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि यह आंदोलन आगे चलकर एक पूर्ण राजनीतिक दल का रूप ले सकता है और भविष्य के विधानसभा चुनावों में भागीदारी करेगा।

अन्नामलाई पिछले कुछ वर्षों में तमिलनाडु में भाजपा का सबसे चर्चित चेहरा बनकर उभरे थे। पूर्व आईपीएस अधिकारी होने के कारण उनकी छवि एक ईमानदार, आक्रामक और जमीनी नेता की रही है। भाजपा छोड़कर अलग राजनीतिक राह चुनना केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में एक नए विकल्प की तलाश का संकेत माना जा रहा है। उनका दावा है कि तमिलनाडु को वंशवाद, व्यक्तिपूजा और पारंपरिक राजनीतिक ध्रुवीकरण से बाहर निकालने की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से उन्होंने नए आंदोलन की शुरुआत की है।

के अन्नामलाई के इस्तीफे के बाद तमिलनाडु भाजपा में कई नेताओं के त्यागपत्र सामने आए हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि उनके पास व्यक्तिगत समर्थन का एक मजबूत आधार मौजूद है। यदि यह समर्थन संगठित राजनीतिक शक्ति में बदलता है, तो भाजपा को राज्य में अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं।हालांकि भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत संगठन है, फिर भी तमिलनाडु जैसे राज्य में करिश्माई क्षेत्रीय नेतृत्व का अलग महत्व होता है। अन्नामलाई का बाहर जाना पार्टी के लिए राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक दोनों दृष्टि से चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।

तमिलनाडु की राजनीति लंबे समय से द्रविड़ मुनेत्र कड़गम औरऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के इर्द-गिर्द घूमती रही है। हाल के वर्षों में अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्टी कज़गम ने भी नई राजनीतिक संभावनाओं को जन्म दिया है। ऐसे में अन्नामलाई का नया मंच राज्य में तीसरे या चौथे विकल्प के रूप में उभरने की कोशिश करेगा। लेकिन केवल लोकप्रियता से राजनीतिक सफलता नहीं मिलती। मजबूत संगठन, वित्तीय संसाधन, स्थानीय नेतृत्व और स्पष्ट वैचारिक दिशा किसी भी नई पार्टी की सफलता के लिए आवश्यक हैं। अन्नामलाई को इन सभी मोर्चों पर स्वयं को साबित करना होगा। के अन्नामलाई के सामने सबसे बड़ा अवसर युवाओं, पेशेवरों और पारंपरिक राजनीति से निराश मतदाताओं को जोडने का है। यदि वे अपने आंदोलन को केवल व्यक्तित्व-आधारित मंच न बनाकर वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति में बदल पाते हैं, तो तमिलनाडु की राजनीति में नया समीकरण बन सकता है।दूसरी ओर चुनौती यह है कि तमिलनाडु में क्षेत्रीय दलों की जड़ें बेहद मजबूत हैं। नए राजनीतिक दलों को अक्सर शुरुआती उत्साह तो मिलता है, लेकिन उसे वोटों और सीटों में बदलना कठिन साबित होता है। के अन्नामलाई का नया आंदोलन केवल एक नेता के दल-बदल की घटना नहीं है, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में नए प्रयोग का प्रयास है। यदि यह आंदोलन जनता की आकांक्षाओं, सुशासन और क्षेत्रीय स्वाभिमान को प्रभावी ढंग से जोड़ पाता है, तो आने वाले वर्षों में राज्य की राजनीति का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन सकता है। फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि यह पहल सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनेगी या नहीं, लेकिन इतना निश्चित है कि अन्नामलाई ने तमिलनाडु की राजनीति में नई बहस और नई संभावनाओं का द्वार खोल दिया है।

आज शान्ति और संयम से काम लेने की जरूरत

श्री राम की मर्यादा उनके कर्म ही आपको मानवता का संदेश देती है भगवान राम राजा बनने वाले थे और 14 साल का वनवास मिल गया आज थोड़ा सा दुःख हुआ नहीं की सिस्टम और सरकार का दोष, यह लोकतान्त्रिक देश 140 करोड़ लोगों का भारत है जब ठीक नहीं लग रहा बाद में चुनाव में हरा देना बहुत ज्यादा बुराई लिखने कॉकरोच पार्टी बनाने से दूसरे देश में ऐ खबर मज़ाक बन जाती है इसलिए कठिन परिस्थिति में संयम और शान्ति से काम लें राम ने भगवान शिव का त्रिपुरासुर धनुष उठाया था। यहाँ तक कि देवताओं, राक्षसों और नागों की पूरी सभा भी उसे नहीं उठा पाई थी। राम ने विष्णु का शारंग धनुष भी उठाया और तीनों लोकों (ब्रह्मांड) को हिला दिया। उन्होंने धुंधुभी नाम के एक राक्षस के शव को, जो कैलाश पर्वत से भी ऊँचा था, बस एक झटके में 10 योजन दूर फेंक दिया। राम ने एक ही बाण से पृथ्वी की सात परतों को भेद दिया। एक ही साधारण बाण से पूरे समुद्र को सुखा दिया।

संजय गोस्वामी

राम ने रावण पर अचूक ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, जिसका वज़न मेरु और मंदार पर्वतों जितना था। राम कितने शक्तिशाली हैं? वे समस्त शक्ति के स्रोत हैं! वे नारायण का ही एक रूप हैं! उनकी शक्तियों की कोई सीमा नहीं है। [वाल्मीकि रामायण 5-51-45] में कहा गया है कि जिसे श्री राम मारने का निश्चय कर लें, उसे ब्रह्मा और शिव भी नहीं बचा सकते। चाहे चार मुख वाले स्वयंभू देवता ब्रह्मा हों, या तीन आँखों वाले रुद्र (जिन्होंने त्रिपुरा–माया द्वारा राक्षसों के लिए आकाश, वायु और पृथ्वी में सोने, चाँदी और लोहे से बनाए गए नगर–को जलाया था), या फिर वातावरण और आकाश के देवता तथा देवताओं के स्वामी महेंद्र हों; इनमें से कोई भी उस व्यक्ति को नहीं बचा सकता, जिसे राम युद्ध में मारने का निश्चय कर लें। वाल्मीकि रामायण 1-1-17 में कहा गया है कि वे स्वयं ही सत्य हैं और ऐसा कोई नहीं है जो उनकी बराबरी कर सके। शौर्य में राम विष्णु के समान हैं, और अपनी सुंदरता में वे चंद्रमा की तरह आकर्षक हैं; क्षमाशीलता में वे पृथ्वी के तुल्य हैं, लेकिन अपने क्रोध में वे प्रलयकारी अग्नि के समान हैं... और उदारता में वे धन के देवता कुबेर के समान हैं, तथा अपनी सत्यनिष्ठा में वे साक्षात् धर्म के समान हैं–सत्य का ही मूर्त रूप–जिनका कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं है। वाल्मीकि रामायण के अरण्य कांड में कहा गया है कि यदि समस्त देवता और तीनों लोकों की समस्त सेनाएँ भी एक साथ आ जाएँ, तो भी वे श्री राम की शक्ति के सामने कुछ भी नहीं हैं। हे वैदेही! तुम्हारे पति को सर्प, असुर, गंधर्व, देवता, पिशाच या राक्षस–कोई भी पराजित नहीं कर सकता; इसमें तनिक भी संदेह नहीं है। हे शुभलक्षणा! देवताओं, मनुष्यों, गंधर्वों, पक्षियों, राक्षसों, किन्नरों, पशुओं, अथवा हे देवी, यहाँ तक कि अत्यंत भयानक राक्षसों में भी ऐसा कोई योद्धा नहीं है जो युद्ध में राम का सामना कर सके; क्योंकि किसी भी युद्ध में राम की शक्ति इंद्र के तुल्य होती है। इस प्रकार की बातें करना तुम्हारे लिए अनुचित है, क्योंकि युद्ध में राम को पराजित करना असंभव है; और जहाँ तक मेरी बात है, मैं राघव (राम) की अनुपस्थिति में तुम्हें इस घने वन में अकेला छोड़ने का साहस कदापि नहीं कर सकता। चाहे समस्त शक्तिशाली सम्राट अपनी संपूर्ण सेनाओं के साथ आ जाएँ, अथवा समस्त देवता अपने प्रमुखों के साथ एकत्रित हो जाएँ–अरे, उनकी तो बात ही क्या–यदि तीनों लोक भी एक साथ मिलकर, चाहे सामूहिक रूप से या अलग-अलग, विद्रोह करते हुए आ जाएँ, तो भी राम के पराक्रम को कोई रोक नहीं सकता। वाल्मीकि रामायण (1-1-65) में कहा गया है कि उन्होंने राक्षस दुंदुभि के मृत शरीर को अपने पैर के अंगूठे से मात्र स्पर्श करके ही दस योजन दूर तक उछाल दिया था! (एक योजन लगभग 13 किलोमीटर के बराबर होता है, अतः दस योजन का अर्थ हुआ 1300 किलोमीटर!) विशाल भुजाओं वाले और अत्यंत शक्तिशाली राम ने जब दुंदुभि की अस्थियों को देखा, तो वे मुस्कुराए और अपने पैर के अंगूठे की सहायता से उस संपूर्ण शरीर को दस योजन की दूरी तक फेंक दिया। वाल्मीकि रामायण (1-1-67) में वर्णित है कि श्री राम ने अपने एक ही बाण से सात वृक्षों को भेद दिया था; वह बाण एक पर्वत को चीरता हुआ पृथ्वी के सबसे निचले तल (पाताल लोक) तक जा पहुँचा था! फिर एक बार, राम ने केवल एक ही विशाल बाण से सात विशाल साल के पेड़ों को भेद दिया; यह बाण न केवल उन पेड़ों के आर-पार निकल गया, बल्कि एक पर्वत को भी चीरता हुआ पृथ्वी के सबसे निचले पाताल लोक तक जा पहुँचा–यह सब सुग्रीव के मन में विश्वास जगाने के लिए किया गया था... वाल्मीकि रामायण के युद्ध कांड में कहा गया है कि श्री राम अपनी उंगली के सिर्फ़ एक पोर से ही सभी राक्षसों और दुष्ट शक्तियों का संहार कर सकते हैं! इससे क्या फ़र्क पड़ता है कि वह राक्षस कितना दुष्ट है या नहीं? वह मेरा ज़रा सा भी अहित करने में सर्वथा असमर्थ है। हे सुग्रीव, वानर सेना के स्वामी! यदि मैं चाहूँ, तो पृथ्वी पर विचरण करने वाले उन सभी आसुरी जीवों, राक्षसों, अलौकिक प्राणियों और नरभक्षी पिशाचों का संहार अपनी उंगली के सिर्फ़ एक पोर से ही कर सकता हूँ। एक कथा में यह प्रसंग आता है कि कैसे एक कबूतर ने अपने शत्रु (एक बहेलिए) को–जब वह शरण माँगने उसके पास आया–अतिथि-सत्कार के समस्त नियमों का पालन करते हुए स्वीकार किया, और यहाँ तक कि उसे अपने ही शरीर का मांस परोसकर भोजन के लिए आमंत्रित किया। सच तो यह है कि श्री राम की इच्छा के बिना, इस सृष्टि में ऐसा कोई भी नहीं है जो उनके समक्ष खड़ा होने का भी साहस कर सके। श्री राम ही सब कुछ हैं। वे इस संपूर्ण ब्रह्मांड के कण-कण में व्याप्त हैं, और यह संपूर्ण ब्रह्मांड उन्हीं में समाया हुआ है। वे ब्रह्मा के रूप में सृष्टि की रचना करते हैं; शिव के रूप में उसका संहार करते हैं; और अपने आदि-स्वरूप नारायण के रूप में वे समस्त सृष्टि का पालन-पोषण करते हैं। केवल एक ही ऐसी चीज़ है जिसे स्वयं श्री राम भी कभी नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते–और वह है, किसी सच्चे भक्त की अनन्य भक्ति। जो कोई भी भक्त श्री सीता-राम की भक्ति में पूरी तरह से लीन हो जाता है, उसे साकेत धाम में परम मोक्ष प्रदान करने के लिए श्री राम सदैव तत्पर और वचनबद्ध रहते हैं।सनातन धर्म में, भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। उनके चरणों (चरण कमल) को बहुत पवित्र और भक्तों के दुखों का नाश करने वाला माना जाता है। हिंदू धर्म में गोस्वामी तुलसीदास महाराज कहते हैं भजमन राम चरण सुखदाई क्योंकि उनके चरण स्पर्श मात्र से अहिल्या पत्थर से पुनः जीवित हो गई जो इस संसार में भगवान राम के अलावा और क़ोई नहीं कर सकता है.संसार में करने की प्रधानता है और परमात्मा में श्रद्धा, भक्ति, मानने की बात है । देरी क्यों लगती है ? क्रिया पर जोर देते हैं (इसलिए) । गीता में तत्काल सिद्धि की बात बताई है । तो क्यों है; क्योंकि वह बनी हुई है, स्वतः सिद्ध है । तो अपना स्वरूप स्वतः सिद्ध है । इसमें दृष्टि डालने की जरूरत है । ऐसे परमात्मा हैं, उसमें भक्ति - भाव, श्रद्धा की जरूरत है । भाव से सिद्धि जल्दी होती है । (मानना है) भगवान् मेरे हैं । प्रहलाद जी को पूछा भगवान् कहां है ? तो प्रह्लाद जी ने कहा कि भगवान् कहां नहीं है । ऐसे ही भगवान् राम ने वाल्मीकि जी से पूछा- मैं कहां रहूं तो वाल्मीकि जी कहते हैं मैं पूछता सकुचाता हूं कि आप कहां नहीं हैं तो इसमें भाव की प्रधानता है । मैं हूं । तो शरीर को मिलाकर कहता है - मैं हूं । तो देरी लगती है । मैं प्रकृति का अंश है । हूं परमात्मा का अंश है । 'है' के साथ 'नहीं' मिला दिया, तो मरने का डर लगता है । मरने का भय लगता है - मैं और मेरा मानने से । भय, इच्छा से रहित हो जाए तो तत्व की प्राप्ति हो जाए । इस वास्ते कामना के त्याग की बात भगवान् ने बहुत कही है । इच्छा, कामना के कारण ही संसार से संबंध है । आप विचार कर लो जिन से संबंध नहीं है, उनसे इच्छा नहीं होती; क्योंकि सोचते हैं हमारे को इन से क्या लेना एक आवश्यकता होती और एक इच्छा होती है । आवश्यकता तो है परमात्मा राम को पाने की, इच्छा होती है (जड़ की) संसार की । जड़ में भी आवश्यकता और इच्छा दो होती है । इसमें भी आवश्यकता की पूर्ति होती है । और इच्छा की पूर्ति नहीं होती । यह बढ़ती रहती है । तो आवश्यकता परमात्म तत्व की और इच्छा है जड़ तत्व की । आवश्यकता तो पूरी होती है और इच्छा पूरी नहीं होती । भोजन करते-करते कहते हैं - तृप्ति हो गई । तृप्ति नहीं हुई, थकावट हो गई । इस थकावट को ही तृप्ति कह देते हैं । पर भगवान् की प्राप्ति के बाद तृप्ति होती है । एक जानने की शक्ति है । एक करने की शक्ति है। एक मानने की शक्ति है । जानने की शक्ति को आत्मा में लगाओ । करने की शक्ति को दूसरों की सेवा में लगाओ । मानने की शक्ति को भगवान् में लगाओ । पशु, पेड़ से चीजें ले तो सकते हैं पर वो सेवा कर नहीं सकते । दूसरों की सेवा मनुष्य ही कर सकते हैं । दूसरों की सेवा करना कर्म योग है । अपने आप को जानना ज्ञान योग है और भक्ति करना यह भक्तियोग हो गया । गीता ने वासुदेवः सर्वम् को सर्वोपरि सिद्धांत बताया है । यह भक्तियोग से जल्दी सिद्ध हो जाता है । ज्ञान योग से भी प्राप्त हो जाता है (सिद्ध हो जाता है) । भक्ति वाला ज्ञान मार्ग की निंदा ना करें और ज्ञान वाला भक्ति मार्ग की निंदा ना करें । अपने मार्ग पर चलना ठीक है, पर दूसरे की निंदा ठीक नहीं है । भक्ति को उत्तम माना है, पर उत्तम मानकर भी ज्ञान को नीचा नहीं माना है । भक्ति से सब सिद्ध हो जाते हैं । कर्म योग, ज्ञान योग, भक्ति योग सब सिद्ध जाते हैं । तो मूल बात क्या है परमात्मा की प्राप्ति में करने की प्रधानता नहीं है । भाव की, मानने की, समझने की जरूरत है ।

: शास्त्राण्यधीत्यापि भवन्ति मूर्खा यस्तु क्रियावान् पुरुषः स विद्वान् ।सुचिन्तितं चौषधमातुराणां न नाम - मात्रेण करोत्यरोगम् ॥ शास्त्रों का अध्ययन करने के बाद भी कुछलोग मूर्ख रह जाते हैं । परन्तु जो क्रियाशील है वही सही अर्थ में विद्वान् है । किसी रोगी के प्रति केवल नाम मात्र बोलने से सुविचारित औषधि रोगी को ठीक नहीं कर सकती। वह औषधि नियमानुसार लेनेपर ही वह रोगी ठीक हो सकता है । काच चमक बीच पाण्या, आण्य पल में परे। छोड़ी काच कामनी त्यांय, कांई लटकां करे।। कांच के मध्य में रहने के कारण पुतली लोह चुंबक से मिल नहीं पाती । परंतु यदि कांच को बीच से हटा दिया जाए, तो उसे आवरण के दूर होते ही पुतली अपने स्वामी रूपी लोह चुंबक से चिपक जाती है । ऐसा संयोग होते ही पुतली अपने स्वामी रूपी चुंबक के साथ विविध प्रेम चेष्टाएं करने लगती है इस उदाहरण द्वारा यह समझ जा सकता है कि बीच में अवरोध रुपी संसार की मोहमाया और इंद्रियों के भोग वैभव के आवरण को सद्गुरु के ज्ञानोउपदेश रुपी हाथों से यदि हटाए दिया जाए , तो शरीर के सभी तत्व मुल चैतन्य के प्रति ऊर्ध्वमुखी होकर सर्व के स्वामी अंश को अंशी के साथ तादात्म्य साधने में सहयोग प्रदान करने लगते हैं।राम की वाणी सुनने से हृदय में प्रकाश आता है, इसलिए' 'प्रतिदिन जरूर सुननी चाहिए'।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कंगाली में आटा गीला का सामना करती ममता बनर्जी

आपने एक पुरानी कहावत तो जरूर सुनी होगी कंगाली में आटा गीला। यह ममता बनर्जी के साथ बिल्कुल खरी साबित हो रही है एक ओर वह सत्ता से बाहर हो गयीं हैं दूसरे ओर उनके अपने ही उनके खिलाफ मुखर हो गएं हैं। आपको बता दें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी परेशानियां मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद से लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

मनोज कुमार अग्रवाल

ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं।

पार्टी पर पकड़ ढीली होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संकट के बीच ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई हाई-लेवल बैठक में 80 में से केवल 8 विधायक और 41 में से सिर्फ 6 सांसद ही शामिल हुए। ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस बैठक से दूरी बना ली, जो उनके नेतृत्व को एक सीधा चैलेंज माना जा रहा है।

राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ ममता बनर्जी अब कानूनी पचड़े में भी फंस गई हैं। चुनाव के दौरान दिए गए उनके बयानों और बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हत्या के मामले को केंद्र सरकार से जोड़ने को लेकर उनके खिलाफ सिलीगुड़ी और कोलकाता में राजद्रोह और हेट स्पीच की शिकायतें व पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने इसे देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है।

सत्ता हाथ से जाने के बाद जमीनी स्तर पर भी भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण भगदड़ मची हुई है। उनके बेहद करीबी माने जाने वाले कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम और बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा राज्यभर में 100 से ज्यादा टीएमसी पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है।

ममता बनर्जी को अपने ही गढ़ भवानीपुर सीट से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के हाथों 15,105 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। राज्य में 15 साल पुराने टीएमसी शासन का अंत हो गया है और सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की नई सरकार का गठन हो चुका है।

ममता बनर्जी इन सभी विपरीत हालातों के खिलाफ सड़कों से लेकर हाइकोर्ट तक कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ रही हैं।

आपको पता है कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के परिणाम एक माह पूर्व 4 मई को सामने आए थे। इनमें ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को निराशा का मुंह देखना पड़ा था। 294 सीटों वाली इस विधानसभा में उसे 80 सीटें ही मिली थीं। इस तरह 15 वर्ष तक प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं ममता का शासन खत्म हो गया था। ममता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत कांग्रेस से की थी। लम्बी अवधि तक वह इसके साथ जुड़ी रहीं, परन्तु 28 वर्ष पूर्व 1998 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का गठन किया था और कम्युनिस्ट पार्टियों के तीन दशकों से भी अधिक प्रदेश में चले आ रहे लम्बे शासन को खत्म करने के लिए बड़ी दिलेरी और दृढ़ता से उसका मुकाबला किया था। इस समय लोकसभा में इनके 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, परन्तु विगत लम्बी अवधि से इस पार्टी के भीतर ममता की तानाशाही और टकराव वाली नीतियों के कारण असंतोष और असहमति चल रही थी, परन्तु उनकी प्रशासन पर सख्त पकड़ और कठोर फैसलों से यह बग़ावत अंदर-अंदर ही सुलगती रही थी।

ममता ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अपने साथ राजनीति में लाकर उसे अधिक शक्तियां दे दी थीं। बनर्जी के काम करने के ढंग-तरीके से भी पार्टी गलियारों में असंतोष था, जिसके संबंध में ममता को लगातार उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा अवगत करवाया जाता रहा था परन्तु ममता ने इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया। अपनी ताकत के दम पर उन्होंने बड़ी राष्ट्रीय नेता होने का भ्रम भी पाल लिया था, जिस कारण राष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों ही पार्टियों द्वारा बनाए गए इंडिया गठबंधन की वह सदस्य ज़रूर बनी रही थीं, परन्तु इसमें शामिल अलग-अलग पार्टियों के सभी नेताओं से ऊंचा कद होने का भ्रम उन्होंने पाल रखा था। इसलिए विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपनी किसी भी सहयोगी पार्टी के साथ गठबंधन करने से इन्कार कर दिया था। उनके शासन के समय प्रदेश की आर्थिकता भी बेहद कमज़ोर हो गई थी और यह पूरी तरह कर्ज में डूब चुका था। केन्द्र के साथ लगातार टकराव रहने के कारण और उद्योग को समर्थन न मिलने के कारण प्रदेश की आर्थिकता डावांडोल हो गई थी। इसके साथ ही बेरोज़गारी की दर भी बढ़ चुकी थी, परन्तु पिछला पूरा समय केन्द्र और अन्य पार्टियों के साथ टकराव बने रहने के कारण भी उनकी प्रशासनिक तौर पर पकड़ ढीली पड़ चुकी थी। ऐसी स्थिति लोगों के भीतर निराशा में बदलती गई। लगातार सरकार विरोधी भावनाओं के बढ़ने का अनुमान लगाने में वह असमर्थ रहीं और न ही वह दीवार पर लिखे को पढ़ सकीं, जिस कारण उन्हें चुनाव में निराशा का मुंह देखना पड़ा।

हार के बाद भी उन्होंने खुले मन से आत्म-मंथन करने की बजाए अपनी पार्टी के भीतर असंतोष को अनदेखा किए रखा जो अंत में उनके लिए हानिकारक सिद्ध हुई। आंतरिक यह चिंगारी उस समय लपटें बन गई, जब उन्होंने ज्यादातर पार्टी नेताओं को अनदेखा करके अभिषेक बनर्जी के कहने पर विधानसभा में विपक्ष के नेता के लिए सैमन देव का नाम स्पीकर को भेज दिया, परन्तु ज्यादातर विधायक इस पद के लिए रिताब्रता बनर्जी के पक्ष में थे, परन्तु ममता ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया और इस पद के लिए स्पीकर को विधायकों के हस्ताक्षर वाला एक पत्र भेज दिया, जिस कारण ज्यादातर नेताओं ने बग़ावत का मार्ग अपना लिया। इस मामले को लेकर ही बुधवार को पार्टी के 80 विधायकों में से 59 विधायकों ने विधानसभा के स्पीकर से सम्पर्क किया। अपने हस्ताक्षरों वाला पत्र उन्हें सौंपा और अपने गुट को असली तृणमूल कांग्रेस बताया। पार्टी के 28 वर्ष के के इतिहास में ममता पर पहली बार इतना बड़ा हमला हुआ है। इसकी उदाहरण महाराष्ट्र से मिलती है, जब 20 जून, 2022 को वहां शिव सेना के 55 में से 40 विधायकों ने एकनाथ शिंदे का उस समय साथ दिया था, जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे। उसके सप्ताह भर बाद ही शिंदे वहां भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए थे। अब दो तिहाई सदस्यों के एकजुट होने से विधानसभा में ममता के समर्थक सदस्य 2 दर्जन से भी कम रह गए हैं, जिससे उनकी राजनीतिक हालत और भी दयनीय हो गई प्रतीत होती है।

दूसरी तरफ भाजपा को बड़ी जीत प्राप्त होने के कारण उसके नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस के बागियों के साथ कोई भी समझौता करने से इंकार कर दिया है। रिताब्रता बनर्जी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत वामपंथी विद्यार्थी संगठन से की थी। 34 वर्ष की उम्र में वह राज्यसभा के सदस्य बन गए थे और बाद में वह टी.एम.सी. में शामिल हो गए थे। ममता ने ही उन्हें वर्ष 2024 में राज्यसभा में भेजा था। विधानसभा चुनाव में वह उलबेरिया सीट से विधायक चुने गए हैं। चाहे ममता ने इस बड़ी चुनौती के समक्ष भी अपना हौसला कायम रखते हुए इन बागियों और भाजपा को ललकारा है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा विरोधी पार्टियों से सम्पर्क करने की बात भी की है, परन्तु अब यह देखना शेष होगा, कि वह निकट भविष्य में प्रदेश और देश की राजनीति में किस तरह विचरण करेंगी।

रायपुर में दिनदहाड़े 10 लाख की लूट, गैस एजेंसी मैनेजर से नकाबपोश बदमाशों ने छीना कैश बैग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी रायपुर में शनिवार को दिनदहाड़े हुई एक सनसनीखेज लूट की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं डीडी नगर थाना क्षेत्र में गैस एजेंसी के एक मैनेजर से करीब 10 लाख रुपए से भरा बैग बाइक सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने छीन लिया पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है जानकारी के अनुसार पीड़ित श्रवण साहू महोबा बाजार निवासी हैं और एक निजी गैस एजेंसी में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं शनिवार शाम करीब 7 बजे वे एजेंसी के भुगतान संबंधी कार्य के लिए अग्रसेन चौक स्थित कार्यालय पहुंचे थे। वहां से लगभग 10 लाख रुपए की नकदी लेकर वे अपनी कार से टाटीबंध स्थित मुख्य कार्यालय की ओर रवाना हुए बताया जा रहा है कि डगनिया बाजार के पास पहुंचते ही पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया सीसीटीवी फुटेज के अनुसार बाइक सवार तीन युवक पहले श्रवण साहू की कार को क्रॉस कर आगे निकल गए इसके बाद उन्होंने यू-टर्न लिया और दोबारा कार के पास पहुंचे। जैसे ही श्रवण साहू ने कार पार्क कर कैश से भरा बैग लेकर बाहर कदम रखा बदमाशों ने झपट्टा मारकर बैग छीन लिया और तेज गति से मौके से फरार हो गए घटना इतनी तेजी से हुई कि पीड़ित उन्हें पकड़ नहीं सका उसने कुछ दूरी तक पीछा करने का प्रयास किया लेकिन आरोपी आंखों से ओझल हो गए पीड़ित ने बताया कि तीनों बदमाशों ने अपने चेहरे स्कार्फ से ढक रखे थे जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। पुलिस को आशंका है कि आरोपियों ने पहले से श्रवण साहू की गतिविधियों पर नजर रखी हुई थी और पूरी योजना के तहत वारदात को अंजाम दिया गया प्रारंभिक जांच में रेकी की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।

कछलास गांव में अवैध शराब पकड़ने पर ग्रामीणों का हंगामा

बोलेरो छोड़कर भागे तस्कर, महिलाओं ने गाड़ी के सामने धरना देकर की कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के डोलरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कछलास में रविवार सुबह उस समय हंगामे की स्थिति बन गई जब ग्रामीणों ने गांव में अवैध रूप से शराब खपाने आई एक बोलेरो गाड़ी को पकड़ लिया ग्रामीणों के विरोध और बढ़ती भीड़ को देखकर वाहन में सवार लोग मौके से फरार हो गए इसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीणों और महिलाओं ने गाड़ी के सामने बैठकर विरोध प्रदर्शन किया तथा अवैध शराब कारोबार पर कड़ी कार्रवाई की मांग की जानकारी के अनुसार नर्मदापुरम से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित कछलास गांव में रविवार सुबह एक बोलेरो वाहन संदिग्ध परिस्थितियों में पहुंचा गांव के कुछ लोगों को वाहन की गतिविधियों पर संदेह हुआ जिसके बाद उन्होंने गाड़ी को रोककर जांच की जांच के दौरान वाहन के अंदर शराब की दो से तीन पेटियां रखी मिलीं। यह जानकारी मिलते ही गांव में तेजी से खबर फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में लंबे समय से अवैध रूप से शराब की बिक्री की जा रही है जिससे सामाजिक माहौल प्रभावित हो रहा है। गाड़ी में शराब मिलने के बाद महिलाओं का आक्रोश भी सामने आया कई महिलाएं बोलेरो के सामने बैठ गईं और दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग करने लगीं। स्थिति को देखते हुए वाहन में सवार कथित तस्कर गाड़ी वहीं छोड़कर फरार हो गए घटना की सूचना मिलते ही डोलरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची एएसआई गणेश रघुवंशी पुलिस टीम के साथ गांव पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें शांत करने का प्रयास किया इस दौरान ग्रामीणों ने लाइसेंसी शराब ठेकेदार और उसके कर्मचारियों पर गांव में अवैध तरीके से शराब सप्लाई करने के गंभीर आरोप लगाए उनका कहना था कि ठेकेदार के संरक्षण में ही गांवों में शराब पहुंचाई जा रही है करीब 40 से 45 मिनट तक चले हंगामे के बाद पुलिस अधिकारियों ने दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया जिसके बाद ग्रामीण शांत हुए। पुलिस ने बोलेरो वाहन को जब्त कर डोलरिया थाने पहुंचाया डोलरिया थाना प्रभारी प्रवीण चौहान ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा पकड़ी गई बोलेरो से शराब बरामद हुई है। फिलहाल शराब की मात्रा की गिनती की जा रही है तथा मामले में अवैध शराब परिवहन के तहत वैधानिक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और संबंधित लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। गांव में हुई इस कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन से अवैध शराब कारोबार पर स्थायी रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है।

खेत में झूलते तार से लगा करंट, युवक की मौत

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया के हथवास में कावेरी वेयर हाउस के पीछे रविवार को बिजली के तार से करंट लगने से युवक की मौत हो गई युवक को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान हरीश अग्रवाल (37) के रूप में हुई है उनके पिता पूरन लाल अग्रवाल ने बताया कि वे खेत में मूंग खाने गई बछिया को भगाने जा रहे थे तभी हरीश ने उन्हें रोककर खुद जाने की बात कही खेत में झूलते बिजली के तार की चपेट में आने से हरीश को गर्दन में करंट लगा और वह वहीं गिर पड़ा खेत में झूलते बिजली के तार की चपेट में आने से हरीश को गर्दन में करंट लगा खेत में झूलते बिजली के तार की चपेट में आने से हरीश को गर्दन में करंट लगा। पिता ने बताया कि हादसे के बाद उन्होंने आसपास के लोगों की मदद से बेटे को पहले एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे इसके बाद सरकारी अस्पताल पहुंचाया लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया बेटे की शादी हो गई है अभी उसकी कोई संतान नहीं थी वह ऑटो चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था उनके पिता की आर्थिक स्थिति कमजोर है। इस घटना में बिजली विभाग की लापरवाही सामने आ रही है क्योंकि खेतों में बिजली के तार काफी नीचे झूल रहे थे और उनका रखरखाव नहीं किया गया था स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने बिजली विभाग को इस समस्या के बारे में कई बार सूचित किया था विवेचना अधिकारी एसआई शिव प्रसाद तिवारी ने बताया कि हरीश अग्रवाल की मौत बिजली का करंट लगने से हुई है।

विश्व साइकिल दिवस पर आईटीबीपी की साइकिल रैली, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

शिवपुरी में 'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत आयोजित कार्यक्रम में जवानों और प्रशिक्षुओं ने लिया स्वस्थ भारत निर्माण का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर शिवपुरी स्थित संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईटीआई), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) द्वारा 'फिट इंडिया मूवमेंट' के अंतर्गत भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में फिटनेस, स्वास्थ्य जागरूकता तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक संदेश पहुंचाना था रैली को संस्थान के उप महानिरीक्षक (दूरसंचार) राजेश चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों, जवानों और प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए नियमित साइकिलिंग के महत्व पर प्रकाश डाला तथा इसे स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया डीआईजी राजेश चौधरी ने कहा कि साइकिल चलाना शारीरिक फिटनेस बनाए रखने का सबसे सरल, सुलभ और प्रभावी माध्यम है। नियमित साइकिलिंग से हृदय स्वस्थ रहता है, शरीर की कार्यक्षमता बढ़ती है तथा मोटापा, मधुमेह और अन्य जीवनशैली संबंधी बीमारियों के जोखिम को कम करने में सहायता मिलती है उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों के बीच साइकिलिंग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना बेहद आवश्यक है उन्होंने यह भी कहा कि साइकिलिंग केवल स्वास्थ्य लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है साइकिल के उपयोग से ईंधन की बचत होती है वायु प्रदूषण में कमी आती है तथा कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने में मदद मिलती है इस प्रकार साइकिल एक स्वस्थ व्यक्ति और स्वच्छ पर्यावरण दोनों के निर्माण का प्रभावी माध्यम है कार्यक्रम के दौरान डीआईजी चौधरी ने सभी प्रतिभागियों से 'संडे ऑन साइकिल' अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सप्ताह में कम से कम एक दिन साइकिल चलाने की आदत विकसित करनी चाहिए, जिससे न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य बेहतर होगा बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को भी मजबूती मिलेगी।

डकैत को 'सुख-दुख का साथी' बताने वाले बयान पर विधायक प्रीतम लोधी ने जताया खेद

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पिछोर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रीतम लोधी ने कुख्यात डकैत रामबाबू गड़रिया को अपना 'सुख-दुख का साथी' बताने वाले बयान पर खेद व्यक्त किया है विवाद बढ़ने और विभिन्न समाजों की नाराजगी सामने आने के बाद विधायक ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर अपने बयान को लेकर सफाई दी गौरतलब है कि 31 मई को आयोजित अहिल्याबाई होल्कर जयंती समारोह के दौरान प्रीतम लोधी ने मंच से संबोधन करते हुए कुख्यात डकैत रामबाबू गड़रिया का उल्लेख अपने सुख-दुख के साथी के रूप में किया था कार्यक्रम के दौरान रामबाबू गड़रिया की तस्वीर पर माल्यार्पण भी किया गया था विधायक के इस बयान के बाद क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बहस शुरू हो गई थी गुर्जर समाज सहित अन्य संगठनों ने इस पर आपत्ति जताते हुए बयान की आलोचना की थी विवाद को बढ़ता देख विधायक प्रीतम लोधी ने रविवार को वीडियो जारी कर कहा कि वे देवी अहिल्याबाई होल्कर जयंती के अवसर पर आयोजित बघेल समाज के कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि उनके द्वारा किसी प्रकार की अनुचित शब्दावली का प्रयोग हुआ है तो उसका उद्देश्य किसी भी व्यक्ति या समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था वीडियो संदेश में विधायक ने कहा 'मेरा ऐसा कोई उद्देश्य नहीं था कि किसी व्यक्ति, समाज या समुदाय की भावनाएं आहत हों।

विश्व साइकिल दिवस पर मनेन्द्रगढ़ बना फिटनेस और पर्यावरण जागरूकता का केंद्र

कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने साइकिल चलाकर दिया स्वस्थ जीवन का संदेश, फिट इंडिया अभियान को मिला नया उत्साह

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व साइकिल दिवस 2026 के अवसर पर मनेन्द्रगढ़ का सुरभि पार्क फिटनेस, ऊर्जा और पर्यावरण जागरूकता का केंद्र बन गया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित साइक्लिंग एवं जुम्बा कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, युवाओं तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सु संतन देवी जांगड़े ने स्वयं साइकिल चलाकर नागरिकों को नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया उनके साथ एसडीएम लिंगराज सिदार, 18वीं बटालियन छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के कमांडेंट संजय शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, कमांडेंट संजय शर्मा, एसडीएम लिंगराज सिदार तथा निर्वाचन पर्यवेक्षक सतीश द्विवेदी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया कार्यक्रम का विशेष आकर्षण पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित साइक्लिस्ट एवं निर्वाचन पर्यवेक्षक सतीश द्विवेदी रहे। वर्ष 1997 से अब तक लगभग 25 हजार किलोमीटर साइक्लिंग कर चुके द्विवेदी ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया है वर्ष 1997 में उन्होंने अपने साथियों के साथ मनेन्द्रगढ़ से नेपाल की राजधानी काठमांडू तक लगभग 1100 किलोमीटर की ऐतिहासिक साइकिल यात्रा पूरी की थी। सतीश द्विवेदी ने अब तक करीब 450 स्कूलों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों में पर्यावरण संरक्षण विषय पर व्याख्यान दिए हैं। उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए वर्ष 2022 में उनका नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया उन्हें वर्ष 2025 में स्वामी विवेकानंद स्पिरिट अवॉर्ड तथा वर्ष 2026 में राष्ट्रीय उत्कृष्ट भारत प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है उनकी चर्चित पुस्तक साइकिल से हिमालय संस्मरण भी प्रकाशित हो चुकी है अपने संबोधन में कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने कहा कि साइक्लिंग स्वास्थ्य संवर्धन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का भी सशक्त माध्यम है उन्होंने युवाओं से नियमित व्यायाम, साइक्लिंग और सक्रिय जीवनशैली अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन फिट इंडिया अभियान को जन-आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है कार्यक्रम में पूर्व योग आयोग उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल, जिला क्रीड़ा अधिकारी विनोद जायसवाल, जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मिरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

धमतरी में चेकिंग के दौरान युवक और टीआई में विवाद, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ़ (निप्र)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में देर रात वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक और थाना प्रभारी (टीआई) के बीच हुए विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है घटना अर्जुनी थाना क्षेत्र की बताई जा रही है जहां पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की जांच के दौरान बिना नंबर प्लेट वाली बाइक को रोका गया था बाइक पर एक दंपती और उनकी छोटी बच्ची सवार थी जो मूवी देखकर घर लौट रहे थे जानकारी के अनुसार शहर में सुरक्षा व्यवस्था के तहत मुजगहन-पोटियाडीह बायपास के पास नियमित रूप से फिक्स्ड पेट्रोलिंग प्वाइंट लगाया जाता है गुरुवार-शुक्रवार की देर रात भी पुलिसकर्मी वाहनों की जांच कर रहे थे इसी दौरान धमतरी से मुजगहन की ओर जा रही एक बाइक को रोका गया जिसकी आगे की नंबर प्लेट टूटी हुई थी। पुलिस के अनुसार, बाइक चालक से दस्तावेज और पहचान संबंधी जानकारी मांगी गई लेकिन उसने आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए इसी बात को लेकर युवक और पुलिसकर्मियों के बीच बहस शुरू हो गई सूचना मिलने पर अर्जुनी थाना प्रभारी चंद्रकांत साहू भी मौके पर पहुंचे और युवक से पूछताछ की इस दौरान युवक मोबाइल से वीडियो रिकॉर्डिंग करता रहा और टीआई से बहस करता दिखाई दिया। वायरल वीडियो में युवक टीआई पर थप्पड़ मारने और बाइक की चाबी छीनने का आरोप लगाते हुए नजर आ रहा है वहीं टीआई युवक द्वारा बार-बार तुम शब्द के प्रयोग और उंगली दिखाकर बात करने पर आपत्ति जताते दिखाई देते हैं विवाद बढ़ने पर दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई पुलिस का कहना है कि युवक कोई वैध पहचान पत्र या वाहन संबंधी दस्तावेज नहीं दिखा सका पूछताछ के दौरान उसने स्वयं को आमदी क्षेत्र का निवासी बताया बाद में स्थानीय पार्षद से फोन पर पुष्टि करने के बाद युवक को महिला और बच्ची को ध्यान में रखते हुए जाने दिया गया तथा अगले दिन थाने में दस्तावेज जमा करने और मुसाफिरी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। धमतरी के सीएसपी अभिषेक चतुर्वेदी ने बताया कि युवक अब तक थाने नहीं पहुंचा है और न ही उसने आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं।

नर्मदापुरम की 30 से अधिक कॉलोनियों में रविवार को चार घंटे बिजली बंद रहेगी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मानसून से पहले बिजली व्यवस्था को मजबूत और सुचारू बनाए रखने के लिए बिजली कंपनी द्वारा शहर में मेंटेनेंस कार्य लगातार किया जा रहा है इसी क्रम में रविवार को शहर के जोन-2 क्षेत्र अंतर्गत 33/11 केवी आनंदनगर सब स्टेशन पर आवश्यक रखरखाव और तकनीकी सुधार कार्य किया जाएगा इसके चलते शहर की 30 से अधिक कॉलोनियों में चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। बिजली कंपनी के अनुसार रविवार सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक आनंदनगर सब स्टेशन से जुड़े क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। मेंटेनेंस कार्य का उद्देश्य आगामी बारिश के मौसम में बिजली आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखना और संभावित तकनीकी खराबियों को समय रहते दूर करना है बिजली कटौती से प्रभावित होने वाले प्रमुख क्षेत्रों में सिंधी कॉलोनी, संजय नगर, ग्वालटोली, आदमगढ़, लश्कर चौक, मीना चौक, गिन्नी कंपाउंड, गल्ला मंडी, तिवारी कॉलोनी, नारायण नगर, फॉरेस्ट डिपो, कोठी बाजार, आनंदनगर, नर्मदा विहार, गैरिज लाइन, सदर बाजार, बस स्टैंड, सतरस्ता और अमर चौक सहित कई अन्य इलाके शामिल हैं।

चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बंद रहने से हजारों उपभोक्ताओं को गर्मी के मौसम में असुविधा का सामना करना पड़ सकता है खासकर घरेलू उपभोक्ताओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और छोटे व्यवसायों पर इसका असर पड़ने की संभावना है हालांकि बिजली कंपनी का कहना है कि यह कार्य उपभोक्ताओं के हित में किया जा रहा है ताकि मानसून के दौरान बार-बार बिजली बाधित होने की समस्या से राहत मिल सके।

शादी के 45वें दिन बॉयफ्रेंड संग भागी दुल्हन

विवाह से किया इनकार तो ट्रेन के आगे कूदकर दी जान, बचाने आई नवविवाहिता भी गंभीर

मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ़ (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बालोद में शादी के महज 45वें दिन नवविवाहिता अपने बॉयफ्रेंड के साथ ससुराल से फरार हो गई गर्लफ्रेंड के शादी करने से इनकार करने पर उसने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली वहीं बचाने के कोशिश में गर्लफ्रेंड भी गंभीर रूप से घयाल हो गई जिसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। जांच में सामने आया कि ढाई साल पहले इंस्टाग्राम के जरिए दोनों की दोस्ती हुई थी घटना वाली रात बॉयफ्रेंड शराब के नशे में गर्लफ्रेंड के ससुराल पहुंचा था और मिलने के बहाने उसे घर से ले गया था वहीं घटना के बाद महिला ने पति और पुलिस को जानकारी दी जांच में यह भी सामने आया कि बॉयफ्रेंड भी शादीशुदा था यह पूरी घटना महिला के ससुराल से करीब 20 किलोमीटर दूर की है फिलहाल पुलिस ने बॉयफ्रेंड के शव का पोस्टमॉर्टम कराकर रिश्तेदारों को सौंप दिया है और रिश्तेदारों और अन्य लोगों के बयान दर्ज कर रही है पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी मामला बालोद थाना क्षेत्र का है। सिर में गंभीर चोट आने से मिथलेश की मौके पर ही मौत हो गई सिर में गंभीर चोट आने से मिथलेश की मौके पर ही मौत हो गई।

नर्मदापुरम में शराब दुकानों पर बड़ी कार्रवाई, MRP से अधिक वसूली पर 14.25 लाख का जुर्माना

11 ठेकेदारों की दुकानों पर आबकारी विभाग का शिकंजा, उपभोक्ता शिकायतों के बाद हुई जांच में सामने आई अनियमितताएं

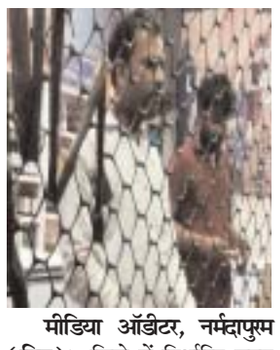

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में निर्धारित मूल्य (एमआरपी) से अधिक कीमत पर शराब बेचने के मामलों में आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 शराब दुकानों पर कुल 14 लाख 25 हजार 634 रुपए का जुर्माना लगाया है उपभोक्ताओं से लगातार मिल रही शिकायतों और विभागीय जांच में ओवररेटिंग की पुष्टि होने के बाद यह कार्रवाई की गई हालांकि कार्रवाई के बावजूद कई दुकानों पर अधिक कीमत वसूलने की शिकायतें अभी भी सामने आ रही हैं। जानकारी के अनुसार जिले में 1 अप्रैल से नई आबकारी नीति के तहत शराब दुकानों के नए ठेके लागू किए गए थे इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों से शिकायतें मिलने लगीं कि शराब दुकानों पर ग्राहकों से निर्धारित मूल्य से 20 से 50 रुपए तक अधिक राशि वसूली जा रही है उपभोक्ताओं द्वारा लगातार शिकायतें किए जाने पर जिला आबकारी अधिकारी के निर्देशन में जांच शुरू की गई आबकारी विभाग ने 1 अप्रैल से 6 मई तक प्राप्त शिकायतों की पड़ताल की जांच के दौरान कई दुकानों पर शराब की बोतलों को एमआरपी से अधिक कीमत पर बेचे जाने के प्रमाण मिले इसके आधार पर वर्ष 2026-27 की आबकारी नीति के प्रावधानों के तहत संबंधित ठेकेदारों पर आर्थिक दंड लगाया गया कार्रवाई की जद में आई 11 दुकानों में सबसे अधिक 3 लाख 46 हजार रुपए का जुर्माना बनखेड़ी स्थित कम्पोजिट मदिरा दुकान पर लगाया गया है यह दुकान भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अटल राय से जुड़े समूह के संचालन में बताई जा रही है इसके अलावा इसी समूह की तरोनकला और बीजनवाड़ा स्थित दुकानों पर भी कार्रवाई की गई है जुर्माने की सूची में दूसरे स्थान पर पवारखेड़ा स्थित शराब दुकान है जिस पर 3 लाख 15 हजार रुपए की पेनल्टी लगाई गई है।

टिंबर मार्ट, ट्रक और दो मकानों पर छापे खंडवा में 144 संदिग्ध चट्टे और घरों से सागौन बरामद, ट्रक भी जब्त

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा में अवैध लकड़ी कारोबार के खिलाफ शुक्रवार को वन विभाग ने बड़ा अभियान चलाया। डीएफओ राकेश कुमार डामोर के निर्देश पर गुड़ी रेंज के अमले ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में चार अलग-अलग स्थानों पर छापामार कार्रवाई की है। इस दौरान अवैध रूप से संग्रहित वन उपज, बिना परमिट परिवहन कर रहा एक ट्रक और घरों से सागौन की अवैध चिरान जब्त कर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं। अभियान के तहत वन अमले ने सबसे पहले खंडवा स्थित बालाजी टिंबर मार्ट का निरीक्षण किया।

प्रारंभिक जांच के दौरान यहां करीब 144 लकड़ी के चट्टे संदिग्ध और अवैध रूप से संग्रहित पाए गए। फिलहाल विभाग द्वारा लकड़ी से संबंधित अभिलेखों और वैध दस्तावेजों की जांच की जा रही है, जिसके बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई होगी।

बिना परमिट लकड़ी ले जा रहा ट्रक पकड़ा: टीम ने अपनी दूसरी कार्रवाई में लकड़ी का परिवहन कर रहे एक ट्रक को रोका और दस्तावेजों की मांग की। जांच के दौरान वाहन चालक वैध अभिवहन (ट्रांजिट) पास प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद वन अमले ने ट्रक और उसमें लदी पूरी लकड़ी को जब्त कर लिया है। इस मामले में वन अपराध का प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

दो घरों पर छापा, अवैध सागौन की चिरान जब्त

तीसरी कार्रवाई गांधवा-केदारखेड़ी मार्ग स्थित बृजेश पटेल के निवास पर की गई। घर की तलाशी के दौरान यहां से सागौन की अवैध चिरान बरामद हुई, जिसे तुरंत जब्त कर लिया गया। वहीं, चौथी कार्रवाई गांधवा निवासी सुंदर विश्वकर्मा के घर पर हुई। यहां भी सागौन की अवैध चिरान मिलने पर जब्ती की गई है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों मामलों में वन अधिनियम के तहत केस दर्ज किया जा रहा है।

अवैध कटाई पर आगे भी जारी रहेगी सख्ती

वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन उपज के अवैध परिवहन, कटाई और भंडारण में शामिल लोगों पर यह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। विभाग ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि उन्हें कहीं भी वन अपराध या अवैध लकड़ी कारोबार की जानकारी मिलती है, तो वे तत्काल इसकी सूचना निकटतम वन कार्यालय को दें।

सिवनी मालवा में तेज आंधी-बारिश, गर्मी से राहत 15 मिनट की बरसात से गिरा पारा

मीडिया ऑडीटर,सिवनी (निप्र)। सिवनी मालवा अंचल में शनिवार दोपहर अचानक मौसम का मिजाज बदला। दोपहर करीब 3:30 बजे आसमान में घने बादल छाने के बाद तेज आंधी के साथ लगभग 15 मिनट तक झमाझम बारिश हुई। इस बेमौसम बारिश से स्थानीय लोगों को भीषण गर्मी और उमस से तो राहत मिल गई है, लेकिन किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

आंधी से हरदा मार्ग पर गिरे पेड़: सुबह से ही नगर और आसपास के इलाकों में तेज धूप और उमस का असर था, जिससे आम लोग परेशान थे। दोपहर बाद हुई तेज बारिश से सड़कों पर पानी बहने लगा और तापमान में गिरावट आने से मौसम सुहावना हो गया। हालांकि, तेज आंधी के कारण सिवनी मालवा-हरदा मार्ग पर ग्राम पगढाल के पास कई स्थानों पर सड़क किनारे पेड़ गिर गए, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ।

मूंग की फसल खराब होने का डर: इस बारिश से क्षेत्र के मूंग उत्पादक किसान परेशान है। वर्तमान में क्षेत्र में मूंग की फसल पककर पूरी तरह तैयार है और कई जगहों पर कटाई चल रही है। किसानों का मानना है कि खेतों में खड़ी और कटाई के बाद रखी मूंग की फसल भीगने से दानों की गुणवत्ता खराब हो सकती है।

सीहोर में रोजगार मेला 09 जून को

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 09 जून को प्रातः 11 बजे सीहोर स्थित प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया जाएगा। रोजगार मेले में रोजगार विभाग द्वारा स्थानीय, प्रदेश एवं अन्य राज्यों की कंपनियों को आमंत्रित कर युवाओं को रोजगार प्रदान किया जायेगा। इसी प्रकार जिला व्यापार उद्योग केन्द्र द्वारा स्वरोजगार विभागों के स्वरोजगार प्राप्त हितग्राहियों को लाभान्वित कर नये प्रकरण तैयार किये जाएंगे। आईटीआई विभाग द्वारा अप्रेंटिसशिप के लिये युवाओं को चयनित किया जाएगा।

तस्करी का नया तरीका, बीड़ी के कार्टून में डोडाचूरा

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। मादक पदार्थों की तस्करी के तस्कर नए-नए तरीके अपना रहे है। रतलाम पुलिस ने बीड़ी के कार्टून में छिपाकर ले जा रहे नीमच के युवक के पास से 50 किलो से अधिक अवैध डोडा चूरा बरामद किया है। जिसकी कीमत 2.81 लाख रुपए है। जावरा औद्योगिक थाना प्रभारी प्रकाश गडरिया ने बताया शुक्रवार रात मुखबीर से सूचना मिली। सूचना के आधार पर जावरा में महू नीमच फोरलेन प्रेसिडेन्ट होटल के सामने जोयो तिराहे के पास पहुंचे। यहां एक व्यक्ति दो सफेद रंग के प्लास्टिक की थैली वाले चोकोर कार्टून में डोडाचूरा लेकर बस का इंतजार कर रहा था। पुलिस ने घेराबंदी कर युवक को पकड़ा। नाम पता पूछने पर सुनिल (26) पिता शंभुलाल मीणा निवासी भांडिया थाना मनासा जिला नीमच का रहने वाला बताया। इसके पास रखे कार्टून की तलाशी ली। कार्टून में दो प्लास्टिक के बोरों में चार खाखी रंग के 30 नंबर बीडी के प्रिंट कार्टून अंदर से मादक पदार्थ डोडाचुरा मिला। वजन करने पर कुल 56.340 किलोग्राम निकला। जिसकी कीमत 2 लाख 81 हजार 700 रुपए है। एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज आरोपी को गिरफ्तार कर थाना औद्योगिक क्षेत्र जावरा ने आरोपी सुनिल मीणा के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया। आरोपी को शनिवार को कोर्ट में पेश किया। आरोपी का रिमांड प्राप्त कर अवैध मादक पदार्थ के स्त्रोत एवं अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जाएगी।

सिरोंज पॉलिटेक्निक महाविद्यालय ने रचा इतिहास, तीनों इंजीनियरिंग ब्रांचों में 100 प्रतिशत प्लेसमेंट

सिरोंज पॉलिटेक्निक महाविद्यालय ने वर्ष 2026 में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए सिविल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग की तीनों शाखाओं में 100 प्रतिशत प्लेसमेंट का रिकॉर्ड बनाया है। विद्यार्थियों की इस सफलता ने न केवल महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है, बल्कि क्षेत्र के तकनीकी शिक्षा संस्थानों के लिए भी एक नया मानक स्थापित किया है। महाविद्यालय की प्राचार्य भावना दांगी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन तथा संस्थान के रोजगारोन्मुखी शैक्षणिक वातावरण के कारण यह सफलता संभव हो सकी है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय का उद्देश्य केवल तकनीकी शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना भी है। प्लेसमेंट अधिकारी रागिनी अरजरिया ने बताया कि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने इस वर्ष विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा आयोजित ओपन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सुब्रोस लिमिटेड में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन शाखा से छोटू नायक एवं ऋतिक कुशवाह तथा सिविल शाखा से हुकुम सिंह कुशवाह एवं मनोज कुशवाह का चयन हुआ। इसी प्रकार सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन शाखा के लखन सिंह, सोनम अहिरवार एवं उर्मिला कुशवाह का चयन किया गया। वहीं कृष्णा मारुति लिमिटेड में मनोज कुशवाह, हुकुम सिंह एवं निखिल बैरागी को रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ। महाविद्यालय प्रशासन ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों की लगन, शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग को दिया है। संस्थान का मानना है कि गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा और उद्योगों से बेहतर समन्वय के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

15 जून को अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठजन दुर्व्यवहार रोकथाम जागरूकता दिवस का होगा आयोजन

वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों, गरिमा, सुरक्षा एवं कल्याण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेशभर में 15 जून को अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठजन दुर्व्यवहार रोकथाम जागरूकता दिवस मनाया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण संचालनालय ने इस संबंध में सभी जिलों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। दिवस के अवसर पर वृद्धाश्रमों, डे-केयर केंद्रों, शैक्षणिक संस्थानों तथा अन्य उपयुक्त स्थलों पर विविध जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें संगोष्ठी, परिचर्चा, जागरूकता रैली, प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण तथा वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह शामिल हैं। युवाओं और वरिष्ठजनों के मध्य संवाद को बढ़ावा देने के लिए अंतर-पीढ़ी संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। विभाग ने निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रमों के माध्यम से वृद्धजनों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता, पारिवारिक उत्तरदायित्व और सामाजिक सहभागिता का संदेश व्यापक रूप से प्रसारित किया जाए। इसके लिए स्थानीय समाचार-पत्रों, सामुदायिक रेडियो, सोशल मीडिया तथा अन्य प्रचार माध्यमों का उपयोग किया जाएगा।

सिवनी की बंजारी घाट में खाली ट्रक पलटा कार और बाइक को बचाने के चक्कर में हादसा

मीडिया ऑडीटर,सिवनी (निप्र)। सिवनी जिले के घंसौर थाना क्षेत्र के बंजारी घाट पर रविवार दोपहर करीब 1 बजे एक खाली ट्रक होकर सड़क किनारे पलट गया। घंसौर से मंडला की ओर जा रहे इस ट्रक के पलटने से मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई, लेकिन हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

सामने से आ रहे वाहनों को बचाने में बिगड़ा संतुलन: प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बंजारी घाट के तीखे मोड़ पर सामने से एक कार और बाइक आ रही थी। इन्हें टक्कर से बचाने के लिए ट्रक ड्राइवर ने अचानक गाड़ी को मोड़ा, जिससे वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गया। लोगों का कहना है कि ड्राइवर की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया।

क्रेन की मदद से ट्रक को हटाया: हादसे के बाद बंजारी घाट मार्ग पर कुछ समय के लिए जाम जैसी स्थिति बन गई और यातायात प्रभावित हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही घंसौर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को सड़क से हटवाकर रास्ता साफ कराया और आवागमन सामान्य किया।

तीखे मोड़ों पर सावधानी बरतने की सलाह: घंसौर पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच शुरू कर दी है। बंजारी घाट इलाके में बढ़ते ट्रैफिक और खतरनाक घुमावदार मोड़ों को देखते हुए पुलिस ने वाहन चालकों को रफ्तार धीमी रखने और विशेष सावधानी बरतने की हिदायत दी है।

रायसेन में प्री-मानसून सक्रिय, 20 जून से पहले मानसून की दस्तक के संकेत

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन में बीते 10 दिनों से आंधी, तूफान और बारिश का दौर जारी है। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज आंधी चली, जिसके बाद बारिश शुरू हो गई। बारिश सुबह तक जारी रही, जिससे शहर की सड़कें तरबतर हो गई और मौसम में ठंडक घुल गई।

कई इलाकों में बिजली गुल, गर्मी और उमस से राहत: तेज आंधी और बारिश के दौरान कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई। हालांकि, मौसम में आए बदलाव से लोगों को उमस और भीषण गर्मी से राहत मिली है। लगातार सक्रिय प्री-मानसून गतिविधियों के चलते दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है।

शनिवार दोपहर को भी बदला था मौसम: इससे पहले शनिवार दोपहर को भी मौसम ने करवट ली थी। तेज हवाओं के साथ आसमान में बादल छा गए थे और कई स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी हुई थी। मौसम के इस बदलाव ने गर्मी का असर कम कर दिया।

प्री-मानसून गतिविधियां बनी हुई हैं सक्रिय: मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां लगातार सक्रिय हैं। इसी कारण आंधी, गरज-चमक और बारिश का दौर बना हुआ है। विभाग ने रविवार को भी कई क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है।

20 जून से पहले मध्यप्रदेश पहुंच सकता है मानसून: मौसम विभाग के मुताबिक, केरल के रास्ते देश में प्रवेश कर चुका मानसून अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। सामान्य तौर पर केरल पहुंचने के करीब 15 दिन बाद मानसून मध्यप्रदेश में प्रवेश करता है। इस बार मानसून 4 जून को केरल पहुंच गया था, ऐसे में प्रदेश में इसकी दस्तक 20 जून से पहले होने की संभावना जताई जा रही है। लगातार आंधी, बारिश और बादलों की आवाजाही के कारण रायसेन सहित आसपास के क्षेत्रों में दिन और रात का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है ।

सागर में ट्रक और कार की भिड़ंत, 5 घायल:20 फीट तक घसीटा बागेश्वर धाम से लौट रहा था परिवार

ओवरटेकिंग में हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के जैसीनगर-भापेल रोड पर रविवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक और कार के बीच भीषण टक्कर हो गई। यह भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि ट्रक कार को करीब 20 फीट तक घसीटता हुआ ले गया। इस हादसे में कार सवार एक ही परिवार के 5 लोग घायल हो गए। गनीमत रही कि हादसे में किसी की जान नहीं गई। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। जानकारी के अनुसार, जैसीनगर निवासी प्रदीप चौरसिया अपने परिवार के साथ छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम दर्शन करने के लिए गए हुए थे। रविवार सुबह वे सभी कार से वापस अपने घर जैसीनगर लौट रहे थे। इसी दौरान जैसीनगर-भापेल रोड पर राजाखोय बड़े पुल के पास घाटी पर सामने से आ रहे एक ट्रक ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी।

खड़े कंटेनर को ओवरटेक करते समय हुई दुर्घटना: प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटनास्थल के पास सड़क पर पिछले करीब तीन दिनों से राखड़ का एक कंटेनर खड़ा हुआ है। रविवार सुबह इसी खड़े कंटेनर को ओवरटेक करने के प्रयास में ट्रक और कार की आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। घटना के तुरंत बाद वहां से गुजर रहे राहगीरों ने मदद की और घायलों को कार से बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया।

पुलिस ने ट्रक चालक को लिया हिरासत में: राहत की बात यह रही कि इस भीषण हादसे में कार सवार सभी पांचों सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं और इलाज के बाद उन्हें घर भेज दिया गया है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही जैसीनगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है और मामला दर्ज कर घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

नर्मदापुरम में हाईवे से 20 फीट नीचे गिरी कार ओवरटेक के दौरान बेकाबू होकर 4 बार पलटी

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। औबेदुल्लागंज-बैतूल नेशनल हाईवे पर नर्मदापुरम के ग्राम रायपुर के पास शनिवार रात करीब 9 बजे एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार हाईवे से करीब 20 फीट नीचे जा गिरी। दुर्घटना में नागपुर निवासी तीन महिलाओं और कार ड्राइवर को चोटें आई हैं। राहगीरों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, घायल परिवार मूल रूप से महाराष्ट्र के नागपुर का रहने वाला है। यह परिवार भोपाल के एक अस्पताल में भर्ती अपने बीमार रिश्तेदार से मिलकर वापस नागपुर लौट रहा था। कार में तीन महिलाएं और एक पुरुष सवार थे। इसी दौरान ग्राम रायपुर के पास किसी वाहन को ओवरटेक करते समय कार का संतुलन बिगड़ गया।

4 बार पलटी खाई, राहगीरों ने किया रेस्क्यू: प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बेकाबू होने के बाद कार ने करीब चार बार पलटी खाई और 20 फीट नीचे जा गिरी। हादसे के तुरंत बाद वहां से गुजर रहे राहगीरों ने मदद की और क्षतिग्रस्त कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

एंबुलेंस की मदद से सभी को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें नर्मदा अपना अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया।

इन लोगों को आई हैं चोटें, परिजन नर्मदापुरम पहुंचे: नर्मदा अस्पताल के मनोज सारन ने बताया कि हादसे में वर्षा लेकवानी (48), अनिता उबरानी (50), मीरा जेसवानी (60) और ड्राइवर सोनू गड़वार (40) घायल हुए हैं।

अस्पताल के डॉ. रवि चढ़ार, डॉ. सौरभ रघुवंशी और डॉ. नरेंद्र परिहार की टीम ने घायलों का इलाज किया है। घटना की सूचना मिलने के बाद घायलों के परिजन भी नर्मदापुरम पहुंच गए हैं।

मंदसौर में बीड़ी न देने पर युवक को चाकू मारे हाथ में 7 टांके आए, चाय की दुकान पर हुआ विवाद

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर के दलौदा कस्बे में शनिवार रात बीड़ी को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। घटना में 23 वर्षीय विजय नाथ घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बीड़ी देने से इनकार पर बढ़ी कहासुनी: जानकारी के अनुसार, कुमारवाड़ा निवासी विजय नाथ (23) शनिवार रात दलौदा कृषि उपज मंडी रोड स्थित एक चाय की दुकान पर चाय पीने गया था। इसी दौरान सिराज नामक व्यक्ति वहां पहुंचा और विजय से बीड़ी मांगने लगा। परिजनों के मुताबिक, विजय द्वारा बीड़ी देने से मना करने पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

चाकू से किया हमला: विवाद बढ़ने पर सिराज ने विजय पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में विजय के हाथ में गंभीर चोट आई। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायल युवक को तत्काल दलौदा थाने पहुंचाया। पुलिस ने घायल विजय को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उसका उपचार जारी है। परिजनों ने बताया कि चाकू लगने से उसके हाथ में गहरा घाव हो गया है। चिकित्सकों ने घायल के हाथ में 7 से 8 टांके लगाए हैं।

भेरूंदा में ढाई इंच से अधिक बारिश सीहोर जिले में प्री-मानसून एक्टिव

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर नौतपा के बाद भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को रविवार को बड़ी राहत मिली। जिले के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ प्री-मानसून बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और मौसम सुहावना हो गया। ठंडी हवाओं के चलते लोगों को उमस और तपन से भी राहत मिली।

भेरूंदा में सबसे ज्यादा बारिश दर्ज: मौसम विभाग के अनुसार, जिले में सबसे अधिक बारिश भेरूंदा में दर्ज की गई, जहां 2.52 इंच (करीब ढाई इंच) पानी बरसा। इसके अलावा बुधनी में 0.51 इंच और रेहटी में 0.18 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। जिला मुख्यालय और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। रविवार को दोपहर बाद मौसम का मिजाज

3 दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट

अचानक बदला। आसमान में बादल छाने के बाद कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई। बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं ने गर्मी का असर कम कर दिया और मौसम में ठंडक घुल गई।

20 जून तक सक्रिय हो सकता है मानसून: मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, केरल में 4 जून को पहुंचने के बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। सामान्य तौर पर मध्य प्रदेश में मानसून की एंट्री 15 जून के आसपास होती है, लेकिन मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस वर्ष सीहोर सहित भोपाल संभाग में मानसून 20 जून तक पूरी तरह सक्रिय हो सकता है।

अगले 3 दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट: मौसम विभाग ने बताया कि वर्तमान में हो रही बारिश चक्रवातीय गतिविधियों से जुड़ी प्री-मानसून एक्टिविटी का हिस्सा है।

विभाग ने अगले 2 से 3 दिनों तक सीहोर जिले में 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे मौसम की स्थिति को ध्यान में रखकर खरीफ फसलों की तैयारियां आगे बढ़ाएं। रविवार को जिले का न्यूनतम तापमान 27 डिग्री और अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

वैभव सूर्यवंशी की एंट्री से बदलेगा प्लेइंग इलेवन का संतुलन

गंभीर के सामने बड़ी चुनौती; किसकी जगह मिलेगा मौका

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज और एशियन गेम्स 2026 के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। इस टीम में सबसे ज्यादा चर्चा 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर हो रही है, जिन्हें पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। उनके चयन के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि उन्हें प्लेइंग इलेवन में किसकी जगह मौका मिलेगा और क्या टीम संयोजन में बदलाव देखने को मिलेगा। वैभव सूर्यवंशी का चयन उनके शानदार आईपीएल प्रदर्शन के आधार पर किया गया है, जहां उन्होंने 16 पारियों में 776 रन बनाए थे। उनका स्ट्राइक रेट 237.30 रहा, जिसने पूरे क्रिकेट जगत को चौंका दिया। उन्होंने इस सीजन में 72 छक्के लगाकर कई बड़े रिकॉर्ड तोड़ दिए, जिसमें क्रिस गेल का 59 छक्कों का रिकॉर्ड भी शामिल है। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर उन्होंने ऑरेंज कैप भी अपने नाम की थी।

अब सवाल यह है कि उन्हें प्लेइंग इलेवन में किस पोजीशन पर शामिल किया जाएगा। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए माना जा रहा है कि वैभव सूर्यवंशी को ओपनिंग में उतारा जा सकता है। ऐसे में मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने बड़ा चयन संकट खड़ा हो गया है। यदि वैभव को ओपनिंग दी जाती है तो अभिषेक शर्मा के साथ उनकी जोड़ी बनाई जा सकती है। इस स्थिति में मौजूदा विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन की भूमिका पर सवाल खड़े हो सकते हैं। या तो उन्हें मध्यक्रम में भेजा जा सकता है या फिर उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठना पड़ सकता है। टीम संयोजन को देखते हुए यह फैसला काफी अहम होगा क्योंकि यह सीधे बल्लेबाजी क्रम की स्थिरता को प्रभावित करेगा। भारतीय टीम 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगी, जबकि इसके बाद 1 से 11 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज होगी। इसी दौरान यह तय माना जा रहा है कि वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका मिल सकता है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि गौतम गंभीर इस युवा खिलाड़ी को कैसे और किस रणनीति के तहत टीम में शामिल करते हैं और क्या वह अपनी विस्फोटक फॉर्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दोहरा पाते हैं या नहीं।

गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में गौतम गंभीर

बोले- मैच का नतीजा निकलना सबसे जरूरी

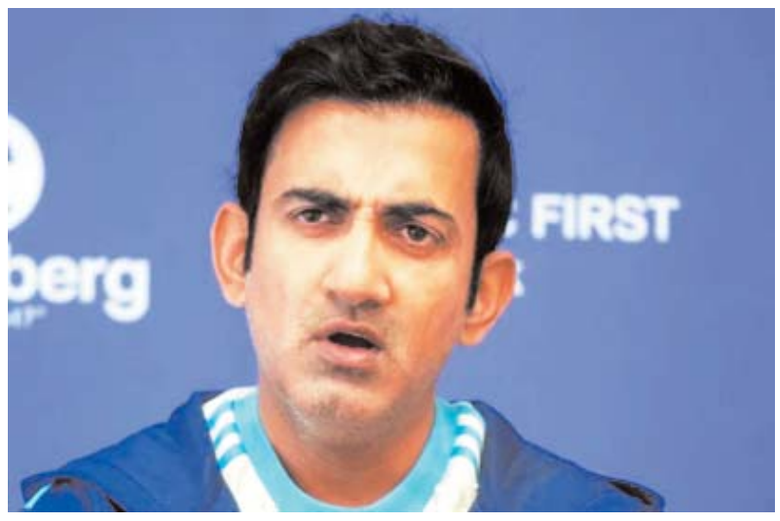

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की स्थिति से निपटने के लिए गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का समर्थन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा हाल ही में लिए गए फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी मैच का परिणाम निकालने का अवसर मौजूद हो तो उसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में अक्सर खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ता है, जिससे मैच का समय प्रभावित होता है और कई बार नतीजा भी नहीं निकल पाता। इसी समस्या के समाधान के लिए आईसीसी ने एक नया प्रयोग मंजूर किया है। इसके तहत पारंपरिक लाल गेंद से शुरू होने वाले टेस्ट मैचों में यदि रोशनी की समस्या पैदा होती है और दोनों टीमें सहमत हों, तो फ्लडलाइट की रोशनी में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य खेल के अधिक से अधिक ओवर पूरे कराना और मैच को परिणाम तक पहुंचाने की संभावना बढ़ाना है। आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नया नियम एक अक्टूबर से लागू होगा। इसके तहत लाल गेंद से खेल शुरू होगा, लेकिन रोशनी कम होने की स्थिति में गुलाबी गेंद का उपयोग कर मैच जारी रखा जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों की सहमति अनिवार्य होगी। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले मीडिया से बातचीत में गौतम गंभीर ने कहा कि उन्हें यह फैसला बेहद पसंद आया है। उनके अनुसार क्रिकेट का उद्देश्य केवल खेलना नहीं बल्कि परिणाम तक पहुंचना भी है। उन्होंने कहा कि यदि परिस्थितियां अनुमति देती हैं और दोनों टीमें तैयार हैं तो मैच को बीच में रोकने के बजाय वैकल्पिक व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। गंभीर ने इस फैसले के पीछे व्यावहारिक पहलुओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को अगले वर्ष फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलनी है। इस श्रृंखला के कुछ मुकाबले पूर्वी भारत के शहरों में प्रस्तावित हैं, जहां सूर्यास्त अपेक्षाकृत जल्दी होता है। ऐसे में खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में हो और आखिरी टेस्ट मैच खराब रोशनी के कारण बिना नतीजे के समाप्त हो जाए, तो यह खेल और टीम दोनों के लिए निराशाजनक स्थिति होगी। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि एक ही मैच में लाल गेंद से गुलाबी गेंद में बदलाव खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना भी जरूरी है।

श्रेयस अय्यर सफल कप्तान साबित होंगे - रोहित

मुम्बई एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 प्रारुप के लिए कप्तान बनाये गये श्रेयस अय्यर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें वो सभी खूबियां है जो सफल कप्तान में होनी चाहिये। ऐसे में कप्तान के तौर पर उनका कार्यकाल सफल रहेगा। रोहित के अनुसार कप्तान के तौर पर उन्हें आईपीएल और घरेू क्रिकेट में अच्छा अनुभव है जो उनके काम आयेगा। उन्होंने कहा है कि अय्यर भारतीय टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और देश के भावी कप्तान के रूप में एक शानदार कार्यकाल बिताएंगे। रोहित ने कहा कि श्रेयस को आईपीएल कप्तानी के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा। रोहित ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 का खिताब जिताने और फिर 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाने के उनके अच्छे रिकॉर्ड को देखते हुए, उन्हें पूरा विश्वास है कि वह भारतीय टीम की कप्तान संभालने के लिए तैयार हैं।

श्रेयस अय्यर बने नए टी20 कप्तान

चयनकर्ताओं के फैसले पर उठे सवाल

- न सूर्या जैसी विस्फोटकता, न हार्दिक जैसा ऑलराउंड खेल फिर भी क्यों मिला भरोसा

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे तथा एशियन गेम्स के लिए भारतीय टी20 टीम की घोषणा कर दी है। इस बार सबसे बड़ा बदलाव कप्तानी को लेकर देखने को मिला, जहां सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को टीम की कमान सौंप दी गई है। इस फैसले ने क्रिकेट हलकों में चर्चा तेज कर दी है, क्योंकि सूर्यकुमार यादव ने रोहित शर्मा के बाद टीम की कप्तानी संभाली थी और उनकी अगुवाई में भारत ने टी20 विश्व कप का खिताब भी अपने नाम किया था। टीम चयन में युवा चेहरों को भी जगह दी गई है, जिनमें वैभव सूर्यवंशी और प्रिंस यादव जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान कप्तानी परिवर्तन ने खींचा है। सवाल उठ रहा है कि आखिर श्रेयस अय्यर में ऐसा क्या देखा गया, जो उन्हें सीधे कप्तान बना दिया गया, जबकि वह लंबे समय से टी20 टीम से बाहर थे और आखिरी बार दिसंबर 2023 में भारत के लिए खेले थे। चयनकर्ताओं का मानना है कि अय्यर एक ऐसे बल्लेबाज और कप्तान हैं जो टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। वह मिडिल ऑर्डर में स्थिरता लाते हैं और दबाव की परिस्थितियों में संयम के साथ खेलते हैं। हालांकि उनके खेल में सूर्यकुमार यादव जैसी विस्फोटक बल्लेबाजी या हार्दिक पांड्या जैसा ऑलराउंड योगदान नहीं है, फिर भी उनकी रणनीतिक समझ और नेतृत्व क्षमता उन्हें अलग बनाती है। इसके अलावा चयन प्रक्रिया में उम्र और भविष्य की योजना भी अहम कारण रही है। 31 वर्षीय श्रेयस अय्यर को लंबी अवधि के कप्तान के रूप में देखा जा रहा है, जबकि 35 वर्षीय सूर्यकुमार यादव अपने करियर के अंतिम चरण में माने जा रहे हैं। हालिया फॉर्म भी इस निर्णय में एक कारक रहा।

आईपीएल में श्रेयस अय्यर का प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। उन्होंने पंजाब किंग्स के लिए पिछले सीजन में 604 रन बनाए थे और टीम को फाइनल तक पहुंचाया था। इसके बाद हालिया सीजन में भी उन्होंने 14 मैचों में 498 रन बनाकर अपनी निरंतरता साबित की। उनकी कप्तानी क्षमता भी आईपीएल में कई बार सामने आई है, जहां उन्होंने दबाव में टीम को मजबूती से संभाला। इन्हीं सभी कारणों के चलते चयनकर्ताओं ने श्रेयस अय्यर पर भरोसा जताते हुए उन्हें टी20 टीम की जिम्मेदारी सौंपी है। अब देखना होगा कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस भरोसे पर कितना खरा उतरते हैं और टीम को किस दिशा में आगे ले जाते हैं।

2027 विश्व कप हेतु विकेटकीपिंग को लेकर पठान ने रखा अपना पक्ष

- पहली पसंद राहुल और ईशान
- संजू सैमसन को भी बताया मजबूत दावेदार

नई दिल्ली एजेंसी। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने 2027 क्रिकेट विश्व कप को लेकर भारतीय टीम की संभावित विकेटकीपिंग रणनीति पर अपने विचार साझा किए हैं। उनका मानना है कि आगामी विश्व कप के लिए केएल राहुल और ईशान किशन भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने संजू सैमसन को भी एक मजबूत विकल्प बताया है। दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के पास विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर दिलचस्प चुनौती रहने वाली है।

एक बातचीत के दौरान इरफान पठान ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सूची में केएल राहुल सबसे ऊपर हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ-साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं। पठान ने राहुल को बहुमुखी खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर का मानना है कि ईशान किशन भी विश्व कप योजनाओं का अहम हिस्सा हो सकते हैं। उनके मुताबिक टीम को ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सके और तेज गेंदबाजों की शॉर्ट गेंदों का प्रभावी ढंग से सामना कर सके। इस कारण ईशान किशन को भी मजबूत दावेदार माना जाना चाहिए।

हालांकि पठान ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि टीम में अतिरिक्त स्थान उपलब्ध होता है तो संजू सैमसन को अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैमसन ने जब भी वनडे क्रिकेट में मौका पाया है, उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उनके अनुसार संजू अब पहले की तुलना में अधिक परिपक्व बल्लेबाज बन चुके हैं और दबाव की परिस्थितियों में लंबी पारियां खेलने की क्षमता विकसित कर चुके हैं। संजू सैमसन का वनडे रिकॉर्ड भी उनके पक्ष में जाता है। उन्होंने अब तक 16 एकदिवसीय मुकाबलों में 56.66 की शानदार औसत और लगभग 100 के स्ट्राइक रेट से 510 रन बनाए हैं। सीमित अवसरों के बावजूद उनका प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। दूसरी ओर केएल राहुल पिछले कुछ वर्षों में भारत के प्रमुख विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में स्थापित हुए हैं। विशेष रूप से 2023 विश्व कप से पहले उन्होंने इस भूमिका में अपनी जगह मजबूत की थी। विकेटकीपिंग और मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभालने के बाद उनके प्रदर्शन में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। राहुल ने हाल के समय में भी अपनी उपयोगिता साबित की है। न्यूजीलैंड के खिलाफ इस वर्ष खेली गई वनडे श्रृंखला में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए राजकोट में नाबाद 112 रन की पारी खेली थी। वर्ष 2025 में उनका औसत 52.42 रहा, जो उनकी निरंतरता को दर्शाता है। 2027 विश्व कप अभी दूर है, लेकिन इरफान पठान के बयान से साफ है कि भारतीय टीम के विकेटकीपर चयन को लेकर प्रतिस्पर्धा काफी रोचक रहने वाली है। केएल राहुल, ईशान किशन और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ियों के बीच चयनकर्ताओं के सामने कई मजबूत विकल्प मौजूद हैं, जो भविष्य में भारतीय टीम को और अधिक संतुलन प्रदान कर सकते हैं।

अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दबदबा बनाना चाहते हैं वैभव

मुम्बई एजेंसी। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टी20 टीम में जगह मिलने पर बेहद खुश हैं। वैभव का कहना है कि उनका लक्ष्य अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना है। इस बल्लेबाज ने एक राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि वह इस प्रारुप में दबदबा बनाना चाहते हैं। वैभव को घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 दौरों के साथ-साथ ही एशियाई खेलों के लिए शामिल किया गया है। अपने लक्ष्यों को लेकर वैभव ने कहा, मैं केवल खेलने नहीं आया हूं। मैं अगले 10 से 20 साल तक प्रभावी प्रदर्शन चाहता हूं। उन्होंने आईपीएल फाइनल के बाद पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा जब उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा, तो असल में मुझे लग रहा था कि मेरा सपना पूरा हो गया है। यह पल उनके लिए केवल एक मुलाकात से कहीं बढ़कर था, यह एक युवा खिलाड़ी के लिए किसी सपने के सही होने जैसा था।

राहुल-गिल के शतकों से चमका भारत

मुल्लांपुर टेस्ट के पहले दिन अफगानिस्तान पर बनाया दबदबा

मुल्लांपुर एजेंसी। मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा देखने को मिला। केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के शानदार शतकों की बदौलत भारत ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट के नुकसान पर 368 रन बनाकर मजबूत स्थिति हासिल कर ली।

भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला टेस्ट मैच शनिवार को शुरू हुआ। दोनों टीमों के बीच यह मैच मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन भारत ने अपनी पहली पारी में 3 विकेट के नुकसान पर 368 रन बनाये हैं। कप्तान शुभमन गिल 103 और ऋषभ पंत 50 रनों पर नाबाद हैं। गिल ने 143 गेंदों में 11 चौके और एक छक्के की सहायता से 103 रन बनाये है. वहीं ऋषभ पंत ने 70 गेंदों मे 2 चौके और तीन छक्के की मदद से 50 रन बनायें हैं शुभमन गिल का ये 11वां टेस्ट शतक रहा। भारतीय टीम की पहली पारी में शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल सिर्फ 24 रन बना सके और उन्हें मोहम्मद सलीम सफी ने आउट किया। यशस्वी के आउट होने के वक्त भारत का स्कोर 41-1 था। इसके बाद केएल राहुल और साई सुदर्शन ने भारतीय टीम को संभाला। दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 139 रनों की साझेदारी की।

अजीत अगरकर का बड़ा बयान- वैभव सूर्यवंशी को फिलहाल सिर्फ टी20 में मौका

- टेस्ट करियर पर लगाई ब्रेक

नई दिल्लीएजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के टेस्ट करियर को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। पहली बार भारतीय टी20 टीम में शामिल किए गए वैभव को लेकर जब उनके टेस्ट भविष्य पर सवाल पूछा गया, तो अगरकर ने इसे सिरे से खारिज करते हुए कहा कि फिलहाल उनका चयन केवल छोटे प्रारूप यानी टी20 क्रिकेट के लिए किया गया है। अजीत अगरकर ने साफ कहा कि वैभव अभी बहुत युवा हैं और रेड बॉल क्रिकेट में उनका अनुभव सीमित है। उन्होंने कहा कि घरेलू क्रिकेट में अधिक मैच खेलने और लंबे प्रारूप में खुद को तैयार करने के बाद ही उनके टेस्ट करियर पर विचार किया जाएगा। अगरकर के अनुसार, ÷अभी जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है, उन्हें धीरे-धीरे आगे बढ़ने दिया जाएगा।÷ उन्होंने आगे वैभव की प्रतिभा की जमकर सराहना की और कहा कि लगातार दो आईपीएल सीजन और अंडर-19 क्रिकेट में उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। अगरकर ने माना कि उनकी क्षमता और निरंतरता ने ही उन्हें टीम इंडिया में जगह दिलाई है।

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की थी।

एशिया का पोंडी मत्स्य केंद्र में स्टाफ की कमी

सुरक्षा अभाव से हो रही चोरियां, 15 फिशरमैन रिटायर, 45 करोड़ का उत्पादन लक्ष्य अधूरा

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मध्य प्रदेश के मैहर जिले का पोंडी मत्स्य बीज उत्पादन केंद्र जिसे कभी एशिया के महत्वपूर्ण केंद्रों में गिना जाता थागंभीर संकट का सामना कर रहा है कर्मचारियों की कमी जर्जर अधोसंरचना और घटते संसाधनों के कारण यह केंद्र अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है राज्य परियोजना इकाई के अंतर्गत आने वाला यह केंद्र वर्तमान में केवल चार-पांच अधिकारी-कर्मचारियों के भरोसे चल रहा है स्वीकृत 16 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों (फिशरमैन) में से 15 सेवानिवृत्त हो चुके हैं। अब पूरी इकाई में केवल एक फिशरमैन कार्यरत है।

कर्मचारियों की कमी से उत्पादन में कमी: साल 1982 में स्थापित इस केंद्र का प्रारंभिक लक्ष्य 6 से 8 करोड़ रुपए था, जिसे अब बढ़ाकर 42 करोड़ रुपए कर दिया गया है। साल 2026 के लिए 45 करोड़ रुपए का लक्ष्य निर्धारित है। हालांकि, मैनपावर और संसाधनों की कमी के कारण पिछले वर्ष केंद्र केवल 32 से 33 करोड़ रुपए का ही उत्पादन कर सका स्पॉन उत्पादन का लक्ष्य भी 2.25 करोड़ के मुकाबले केवल 1 करोड़ 60 लाख ही प्राप्त हो पाया। यह कमी सीधे तौर पर कर्मचारियों की अनुपलब्धता से जुड़ी है, जिससे केंद्र की क्षमता प्रभावित हो रही है।

अधिकारियों की कमी से मत्स्य केंद्र की पहचान संकट में: प्रशासनिक और तकनीकी स्तर पर भी केंद्र में बड़े अधिकारियों के पद खाली हैं। उपसंचालक और सहायक संचालक के पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं। सहायक मत्स्य अधिकारी के चार में से दो पद खाली हैं, और शेष दो अगले छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

एक मत्स्य निरीक्षक की नियुक्ति तो है, लेकिन उन्हें कमिश्नर के आदेश से पड़ोसी जिले सतना में संबद्ध कर दिया गया है। कर्मचारियों और अधिकारियों की इस कमी के कारण, पोंडी मत्स्य केंद्र की एशिया के बड़े मत्स्य केंद्र के रूप में पहचान अब संकट में है।

रिटायर्ड के बाद स्टाफ संकट और गहराने की आशंका: प्रशासनिक अमला: वर्तमान में फोर्थ क्लास में मात्र 2 कर्मचारी और ऑफिस में 2 बाबू बचे हैं, जबकि एक बाबू का पद खाली है। चपरासी का भी एक पद अगस्त में उनकी सेवानिवृत्ति के बाद खाली हो जाएगा। केंद्र में पदस्थ एडीएफ एस.एस. बघेल भी इसी साल नवंबर में रिटायर होने वाले हैं, जिसके बाद केंद्र पूरी तरह अनाथ हो जाएगा।

कलेक्ट्रेट भवन और कॉलोनी में चली गयी 15 नर्सरियां: इस मत्स्य केंद्र की स्थापना राजस्व, वन और फिशरीज विभाग की करीब 300 एकड़ भूमि को मिलाकर की गई थी, जिसमें से मत्स्य विभाग के पास कुल 152 एकड़ भूमि दर्ज थी लेकिन मैहर के नया जिला बनने के बाद यहां कलेक्ट्रेट भवन निर्माण के लिए केंद्र की 14 एकड़ महत्वपूर्ण जमीन अधिग्रहित कर ली गई, जिससे केंद्र की 15 एक्टिव नर्सरियां (पोखर) पूरी तरह नष्ट हो गईं इसके अलावा ढाई एकड़ भूमि कलेक्ट्रेट कर्मचारियों के आवास और बंगले के निर्माण के लिए दे दी गई है। लगातार जमीन कटने से अब यह स्पष्ट नहीं है कि केंद्र के पास वास्तविक रूप से कितनी जमीन सुरक्षित बची है।

दुकानों व प्रतिष्ठानों के लिए 'श्रम स्टार रेटिंग' प्रणाली शुरू

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के कल्याण एवं कार्यस्थलों की परिस्थितियों में सुधार लाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में 'श्रम स्टार रेटिंग प्रणाली' लागू की गई है। यह प्रणाली कारखानों, दुकानों एवं अन्य वाणि'यक प्रतिष्ठानों में श्रम कानूनों के अनुपालन का आकलन कर उन्हें स्टार रेटिंग प्रदान करती है। पूरी प्रक्रिया स्व-मूल्यांकन एवं स्वचालित प्रणाली पर आधारित है, जिससे संस्थान स्वयं अपने कार्यों का मूल्यांकन कर सकते हैं। इससे न केवल श्रम कानूनों के पालन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि जिम्मेदार नियुक्ति व्यवहार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। सहायक श्रमायुक्त रीवा संभाग सतना द्वारा बताया गया कि जिले में अब तक 46 कारखानों, दुकानों एवं अन्य वाणि'यक प्रतिष्ठानों द्वारा श्रम स्टार रेटिंग प्राप्त की जा चुकी है। श्रम विभाग ने जिले के सभी औद्योगिक एवं व्यावसायिक संस्थानों, दुकानदारों एवं व्यापारी वर्ग से अपील की है कि वे इस प्रणाली का अधिक से अधिक उपयोग करें। साथ ही आम नागरिकों से भी आग्रह किया गया है कि वे किसी भी उत्पाद की खरीदारी करते समय संबंधित प्रतिष्ठान की श्रम स्टार रेटिंग अवश्य देखें, ताकि श्रमिकों के हितों का संरक्षण सुनिश्चित हो सके।

रा'य आनंद संस्थान द्वारा 5 दिवसीय ऑनलाइन अल्पविराम प्रशिक्षण 8 से 12 जून तक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रा'य आनंद संस्थान, मध्यप्रदेश द्वारा 8 जून से 12 जून 2026 तक 5 दिवसीय ऑनलाइन अल्पविराम प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा प्रशिक्षण प्रतिदिन सायंकाल 6 बजे से 7.×0 बजे तक संचालित होगा प्रशिक्षण में शासकीय एवं अशासकीय दोनों क्षेत्रों के व्यक्ति भाग ले सकते हैं प्रशिक्षण के लिए 18 से 45 वर्ष, 45 से 60 वर्ष तथा 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के प्रतिभागी पात्र हैं।

नन्हे प्रभात की 'धमकी' पड़ी भारी, कांग्रेस नेता आशुतोष द्विवेदी को पूरी करनी पड़ी मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कहते हैं कि बच्चों की जिद के आगे भगवान भी झुक जाते हैं। इसी कहावत को सच साबित करता है अमिरिती गांव का नन्हा प्रभात। सोशल मीडिया के इस दौर में जहां नेता बड़े-बड़े वादे करके भूल जाते हैं, वहीं एक छोटे से बच्चे की मासूम 'धमकी' ने कांग्रेस नेता और सेवा संस्थान प्रमुख आशुतोष द्विवेदी को नतमस्तक कर दिया और अंतत: उसे साइकिल दिलाना पड़ा मामला दो दिन पहले का है, जब आशुतोष द्विवेदी अपने अमिरिती गांव के भ्रमण पर थे। तभी नन्हा प्रभात उनके सामने खड़ा हो गया और बड़े आत्मविश्वास से पूछा, 'तुम आशुतोष आहु न?' आशुतोष के चेहरे पर हल्की मुस्कान और हैरानी झलक उठी। जब उन्होंने प्यार से पूछा कि 'कहें कुछ गलती हो गई का? ', प्रभात ने सीधे अपनी मांग रखी, 'मोहि साइकिल लेवइहा इस मासूम जिद और हक जताने के अंदाज को देखकर आशुतोष द्विवेदी इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने प्रभात को गले लगा लिया। हालांकि उस दिन साइकिल देने का वादा नहीं किया गया दो दिन बाद आशुतोष द्विवेदी फिर से अमिरिती गांव पहुंचे। प्रभात की नजरें सीधे उनकी चार पहिया गाड़ी पर टिक गईं। आशुतोष ने गाड़ी का डिग्गी खोली और उसमें से चमचमाती नई साइकिल निकालकर नन्हे प्रभात को सौंपी। न केवल साइकिल दी गई, बल्कि प्रभात को माला पहनाई गई और उसकी साइकिल का फूलों से 'गृह प्रवेश' कराकर उसे उत्सव जैसा माहौल दिया गया साइकिल पाकर प्रभात की खुशी देखने लायक थी। उसके चेहरे की चमक और आंखों में झलकती खुशी इस बात का संकेत थी कि उसका दिल समंदर की तरह उमड़ रहा है इस अवसर पर आशुतोष द्विवेदी ने राजनीति से परे होकर केवल एक बच्चे की मुस्कान के लिए यह कदम उठाया। उनका यह प्रयास न सिर्फ स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना, बल्कि समाज सेवा और बच्चों के प्रति उनके संवेदनशील रवैये को भी उजागर किया। इस घटना ने यह साबित कर दिया कि कभी-कभी मासूम बच्चों की छोटी-सी 'धमकी' ही बड़े काम करा सकती है।

ढाई वर्ष बाद मंच पर लौटे नारायण त्रिपाठी कार्यकर्ताओं से कहा: साथ दीजिए इतिहास बदलेंगे

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। ढाई वर्ष बाद मैहर के पूर्व विधायक नारायण त्रिपाठी आज अपने कार्यकर्ताओं के बीच लौटे और जोरदार अपील की कि अब केवल सलाह की नहीं बल्कि मिलकर इतिहास बदलने का समय है मंच पर नारायण त्रिपाठी के आगमन से कार्यकर्ता गदगद नजर आए और उनका जोश देखते ही बनता था नारायण त्रिपाठी ने अपने भाषण में कहा मेरे किसी भी कार्यकर्ता को किसी से डरने की जरूरत नहीं सभी लोग जनता जनार्दन के बीच जाएं और उनकी समस्याएं सुनें उन समस्याओं के समाधान की हर

लड़ाई अंतिम छोर तक लड़ी जाएगी यही हमारी प्राथमिकता है उन्होंने याद दिलाया कि उन्होंने अपनी राजनीतिक कुर्बानी देकर मैहर को जिला बनाने का कार्य किया उन दिनों भी कई क्षेत्रीय दिग्गज सवाल उठाते थे कि मैहर जिला कैसे बनेगा लेकिन नारायण त्रिपाठी और उनकी टीम ने इसे संभव कर दिखाया उन्होंने आगे कहा कि 18 तारीख को एक संकल्प के साथ विंध्य की पुरानी विरासत को वापस लाने और विंध्य प्रदेश पुन: स्थापित करने की बड़ी लड़ाई का आगाज होगा उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया जैसे मैहर जिला बना वैसे ही विंध्य प्रदेश भी बनेगा विंध्य हमारी धरोहर और हमारी विरासत है इसके उत्थान की हर लड़ाई मैं लड़ूंगा पूर्व विधायक ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी स्पष्ट संदेश दिया उन्होंने कहा मैहर जिला तो बन गया लेकिन बनने के बाद भ्रष्टाचार की गोद में समा गया हमारी नजर हर भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारी पर है उनका सामना कैसे किया जाए मैं जानता हूं एक-एक भ्रष्ट और उनके चेहरे से नकाब हटाकर माई के धाम को इनके चंगुल से मुक्त कराया जाएगा नारायण त्रिपाठी ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे पूरी ऊर्जा के साथ उनके साथ खड़े हों और मिलकर एक स्वर्णिम मैहर की कल्पना को साकार करें। मंच पर उनका जोश और कार्यकर्ताओं का उत्साह यह संदेश दे रहा था कि आगामी चुनाव और राजनीतिक लड़ाई में यह टीम हर मोर्चे पर सक्रिय होगी।

आईटीआई में प्रवेश के लिए पंजीयन 10 जून तक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश रा'य के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इ'छुक अभ्यर्थी 25 मई 2026 से ×0 जून 2026 तक ऑनलाइन पंजीयन एवं त्रुटि सुधार कर सकते हैं, जबकि संस्था एवं ट्रेड के लिए चॉइस फ्लिंग की प्रक्रिया 1 जून से 10 जून 2026 तक जारी रहेगी। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य ने बताया कि सतना जिले के अंतर्गत सतना, उचेहरा, बिरसिंहपुर, बरौंधा, रामपुर बघेलान एवं नागौद में शासकीय आईटीआई संचालित हैं। नोडल प्राचार्य द्वारा जानकारी दी गई है कि इन संस्थानों में एससीव्हीटी एवं एनसीव्हीटी के तहत विभिन्न तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

सेवादल का रवि मिलन कार्यक्रम संपन्न, प्रभात फेरी में कई लोगों ने ली सदस्यता

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के निर्देशानुसार रविवार को मां शारदा देवी धाम मैहर के वार्ड क्रमांक-1 में कांग्रेस सेवादल द्वारा रवि मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक अध्यक्ष ऋषिकेश पांडे के नेतृत्व में हुआ, जबकि इसका संचालन जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अरुण तनय मिश्र एवं जिला अध्यक्ष धर्मेश घई के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ कार्यक्रम की शुरुआत उत्साहपूर्ण प्रभात फेरी से हुई ढोल-नगाड़ों तिरंगे झंडों और गगनचुंबी नारों के साथ निकाली गई प्रभात फेरी ने पूरे क्षेत्र का माहौल देशभक्ति और संगठनात्मक ऊर्जा से भर दिया प्रभात फेरी के दौरान कार्यकर्ताओं ने देश का झंडा तिरंगा नहीं चलेगा दो रंगा, पहले लड़े थे गोरों से अब लड़ेंगे चोरों से तथा तुम डंडे से तोड़ोगे हम झंडे से जोड़ेंगे जैसे नारों के माध्यम से संगठन की विचारधारा और जनसरोकारों को लोगों तक पहुंचाया प्रभात फेरी के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने कांग्रेस सेवादल की सदस्यता ग्रहण की महिला और पुरुष दोनों वर्गों के लोगों ने संगठन से जुड़कर सामाजिक एवं जनहित के कार्यों में भागीदारी निभाने का संकल्प लिया कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने इसे संगठन के विस्तार और कार्यकर्ताओं की सक्रियता का सकारात्मक संकेत बताया इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे प्रमुख रूप से केशव प्रसाद चौरसिया, महेंद्र पटेल, चूड़ामणि बढ़ोलिया, महिला सेवादल जिला अध्यक्ष सुषमा अरजरिया ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र कुशवाहा, महेंद्र त्रिपाठी, बैजनाथ कुशवाहा, गणेश चतुर्वेदी, यशवंत सिंह, अखंड प्रताप सिंह, पंकज सोनी, नित्यानंद तिवारी, समर्पण शुक्ला, राज बाबू सिंह, सनी सिंह, राजेंद्र शर्मा, उमाशंकर तिवारी, अश्विनी द्विवेदी, अभिषेक सेन, किशन द्विवेदी, अंकित सेन, महेंद्र रजक, बबलू भाई, मोहर्रम भाई एवं जय बढ़ोलिया सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया गया नेताओं ने कहा कि कांग्रेस सेवादल समाज सेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनजागरण के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा।

भक्ति अमृत महोत्सव में उमड़ा आस्था का सागर, भव्य संत शोभायात्रा ने भक्तिमय किया नगर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर भक्ति अमृत महोत्सव के अंतर्गत रविवार को नगर में भव्य श्री संत शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में देश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे संत-महात्माओं का सान्निध्य प्राप्त करने के लिए हजारों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरे मार्ग में जयकारों, हरिनाम संकीर्तन और भजनों की गूंज से वातावरण पूरी तरह धर्ममय हो गया माधव गुणवंती हॉल से प्रारंभ हुई शोभायात्रा महंत स्वामी खिम्यादास जी महाराज, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय संत समाज एवं महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी के सान्निध्य में निकाली गई। शोभायात्रा में सतना, चित्रकूट, रीवा, प्रयागराज और काशी से पधारे संत-महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति आकर्षण का केंद्र रही। सुसज्जित रथों पर विराजमान संतों के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी सिंधी कॉलोनी सहित विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर संतों का स्वागत किया। भजन मंडलियों द्वारा प्रस्तुत मधुर भजनों ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। शोभायात्रा में महंत स्वामी पुरुषोत्तम दास जी, राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी हंसदास जी, महंत कमलदास जी, स्वरूपदास जी, संत प्रह्लाद जी, संत अभय मुनि सहित अनेक संत-महात्मा उपस्थित रहे शोभायात्रा का समापन श्री संत धाम आश्रम में हुआ, जहां सभी संतों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। स्वागत भाषण ठाकुरदास छाबड़िया ने दिया, जबकि कार्यक्रम का संचालन स्वामी हंसदास जी ने किया। आभार प्रदर्शन महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी ने किया धर्मसभा को संबोधित करते हुए महंत स्वामी हनुमानराम जी महाराज, महंत माधवदास जी महाराज, स्वामी पीयूषदास जी महाराज तथा स्वामी बालव्यास जी महाराज ने कहा कि संतों का सान्निध्य और प्रभु नाम का स्मरण जीवन को पवित्र एवं सार्थक बनाता है। उन्होंने कहा कि भक्ति वह शक्ति है जो मनुष्य को ईश्वर से जोड़कर जीवन में शांति, प्रेम और आनंद का संचार करती है संतों ने श्रद्धालुओं से मानव सेवा, सदाचार और सनातन संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, धर्मप्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह भव्य आयोजन नगरवासियों के लिए आध्यात्मिक चेतना और श्रद्धा का अविस्मरणीय अध्याय बन गया।

चित्रकूट की पावन धरा पर गंदगी का कलंक: सरयू नदी बनी प्रदूषण की नाली, फोटोशूट वाले सफाई ठेकेदार कहां

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। देशभर में नदियों की स्वच्छता के नाम पर बड़े-बड़े अभियान चलाए जाते हैं, जहां नेता कैमरों के सामने झाड़ू लगाकर और नदी किनारे फोटोशूट कर सुर्खियां बटोरते हैं। लेकिन चित्रकूट में स्थित सरयू नदी इस दिखावे की पोल खोलती नजर आ रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, नदी में फैली भीषण गंदगी और जलकुंभी का साम्राज्य नदी के अस्तित्व और पवित्रता दोनों के लिए खतरा बन गया है सरयू नदी में जगह-जगह कचरे के ढेर, प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट फैले हुए हैं बरसों से सफाई के नाम पर केवल दावे ही किए जा रहे हैं जबकि जमीनी

हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। नदी का दूषित पानी आगे चलकर मंदाकिनी नदी में भी मिल रहा है, जहां दोनों नदियों का पवित्र संगम होता है। पर्यावरणविदों और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह स्थिति धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से प्रतिष्ठित चित्रकूट की छवि को धब्बेदार कर रही है स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया है कि नदियों की सफाई के बड़े-बड़े दावे करने वाले जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन और अधिकारी इस गंभीर समस्या पर मौन क्यों हैं। क्या उन्हें सरयू नदी में फैली गंदगी दिखाई नहीं देती या कैमरों के सामने फोटोशूट नहीं होने के कारण कोई अभियान नहीं चलाया जा रहा नागरिकों का कहना है कि नदी की पवित्रता और स्वच्छता सुनिश्चित करना प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों से आग्रह किया जा रहा है कि वे तत्काल प्रभाव से सफाई अभियान चलाकर नदी को प्रदूषण मुक्त करें विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अब कार्रवाई नहीं हुई, तो न केवल नदी का पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ेगा बल्कि पवित्रता की दृष्टि से भी यह दुर्भाग्यपूर्ण साबित होगा चित्रकूट की सरयू और मंदाकिनी जैसी पवित्र नदियों की दुर्दशा सीधे तौर पर शहर और धार्मिक स्थलों की छवि पर असर डाल रही है अब यह देखने वाली बात है कि जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि कब इस गंभीर मुद्दे पर सक्रिय होंगे, या फिर सरयू और मंदाकिनी की पवित्र धारा गंदगी के बोझ तले दम तोड़ती रहेगी स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं का मानना है कि अगर सचमुच पवित्रता और धर्मनगरी की छवि को बचाना है, तो नदी की सफाई अब केवल दावे नहीं, बल्कि कड़े और लगातार अभियान के माध्यम से सुनिश्चित करनी होगी।

अमृत पार्क में अशोक अग्रवाल का सघन जनसंपर्क, व्यापारियों की समस्याओं के समाधान का किया वादा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। व्यापारियों की प्रमुख संस्था विंध्य चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के चुनाव जून माह के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित हैं। इसी को देखते हुए अग्रवाल समाज के कर्मठ एवं जुझारू नेता अशोक अग्रवाल ने कोलगवां स्थित अमृत पार्क में व्यापारियों से सघन जनसंपर्क कर बैठक आयोजित की बैठक में लगभग एक सैकड़ा व्यापारियों ने भाग लिया। अशोक अग्रवाल ने कहा कि वे व्यापारियों के हितों की लड़ाई लड़ रहे हैं और उन्हें हर जाति, वर्ग और समाज का भरपूर समर्थन प्राप्त है उन्होंने व्यापारियों को हो रही मूलभूत समस्याओं का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि शहर में बेलगाम यातायात, पार्किंग की कमी, सीवर लाइन निर्माण और जगह-जगह खुदाई के कारण व्यापारियों को काफी परेशानियों का सामना करना

पड़ रहा है, जिससे उनका कारोबार धीरे-धीरे प्रभावित हो रहा है अशोक अग्रवाल ने भरोसा दिलाया कि इन मुद्दों को शासन और प्रशासन के समक्ष उठाया जाएगा और व्यापारियों के हितों के लिए इसका निष्कर्ष निकाला जाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी तीन-चार दिनों में सभी वर्गों को मिलाकर पैनल की घोषणा भी की जाएगीझ बैठक में अन्य व्यापारियों ने भी अपने विचार रखे और शहर में व्यापारिक समस्याओं से अवगत कराया। इस अवसर पर अशोक अग्रवाल के साथ उनकी मित्र मंडली, समर्थक, अग्रवाल समाज के सदस्य एवं शहर के अनेक व्यापारी उपस्थित रहे कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों ने संगठन को मजबूत और सक्रिय नेतृत्व देने की आवश्यकता पर जोर दिया और आश्वासन दिया कि व्यापारी हितों के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।